

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 21 अक्टूबर 2026 वर्ष-9, अंक-260 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रुपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com



www.facebook.com/krantisamay1



www.twitter.com/krantisamay1

विजयादशमी: दिल्ली में हुआ रावण दहन



द्वारका में 221 फुट ऊंचे रावण के पुतले का दहन प्रधानमंत्री ने देशवासियों को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में मंगलवार को विजयादशमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। विभिन्न रामलीला मैदानों में राम-रावण युद्ध के मंचन के बाद रावण के पुतलों का दहन किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता समेत कई प्रमुख हस्तियां दशहरा समारोह में शामिल हुईं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारका सेक्टर-10 में आयोजित दशहरा समारोह में पहुंचीं। यहां द्वारका श्री रामलीला सोसायटी की ओर से आयोजित कार्यक्रम में 221 फुट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी मौजूद रहीं। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूर्वी दिल्ली के पटपड़गंज स्थित आईपी एक्सटेंशन रामलीला समिति के दशहरा समारोह में शामिल हुए। उन्होंने देशवासियों को विजयादशमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रामलीलाओं का मंचन प्रभु श्रीराम के आदर्शों को जीवंत रखने की परंपरा है। यह अत्याचार के अंत और असत्य पर सत्य की विजय का संदेश देता है।

भागवत का संबोधन राष्ट्र निर्माण और सामाजिक एकता का प्रेरक संदेश : मोदी

■ प्रधानमंत्री ने विजयादशमी भाषण की सराहना की, आत्मनिर्भरता, सेवा, चरित्र निर्माण और पंच परिवर्तन को बताया महत्वपूर्ण

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत के विजयादशमी संबोधन को अत्यंत प्रेरणादायी बताते हुए कहा कि इसमें राष्ट्र की प्रगति, सामाजिक एकता, आत्मनिर्भरता और समाज के सशक्तीकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार रखे गए हैं। उन्होंने सेवा और राष्ट्र निर्माण पर दिए गए जोर की सराहना करते हुए कहा कि ये संघ के स्वयंसेवकों के जीवन का अभिन्न हिस्सा रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर कहा कि नामपुर में संघ के शताब्दी वर्ष के विजयादशमी उत्सव पर भागवत का संबोधन प्रेरणादायी रहा। उन्होंने पंच परिवर्तन का उल्लेख करते हुए इसे समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए महत्वपूर्ण बताया।

भागवत ने अपने संबोधन में आत्म-



जागरूकता, स्वदेशी, सामाजिक समरसता, पारिवारिक मूल्यों और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा विविधता के बीच एकता का संदेश देती है। समाज के विभिन्न वर्गों को अपनी पहचान बनाए रखते हुए राष्ट्रीय एकता और आपसी

सद्भाव को मजबूत करना चाहिए।

भागवत ने पंच परिवर्तन को केवल एक अभियान नहीं, बल्कि जीवनशैली का हिस्सा बनाने की आवश्यकता बताई। इसके पांच प्रमुख आयाम सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पंचांग पर संरक्षण, स्व-बोध एवं स्वदेशी और

नागरिक अनुशासन हैं। उन्होंने कहा कि इन सिद्धांतों को व्यवहार में उतारने से ही समाज में स्थायी सकारात्मक परिवर्तन संभव है।

उन्होंने परिवारों में जागरूकता, पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और नागरिक अनुशासन को वर्तमान समय की महत्वपूर्ण जरूरत बताया। उनके अनुसार, इन विषयों की प्रासंगिकता केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया के दूसरे देश भी इनकी आवश्यकता महसूस कर रहे हैं।

मोहन भागवत ने संघ के शताब्दी वर्ष के दौरान चलाए गए जनसंपर्क अभियान का उल्लेख करते हुए बताया कि संगठन ने देशभर के गांवों और शहरों बस्तियों तक पहुंचने का प्रयास किया। उन्होंने भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों, आत्मनिर्भरता और सामाजिक एकता को मजबूत बनाने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिक्रिया को भागवत के संबोधन में उठाए गए मुद्दों के प्रति समर्थन के रूप में देखा जा रहा है। संबोधन में राष्ट्र निर्माण के साथ सामाजिक जिम्मेदारी, व्यक्तिगत आचरण में सुधार और देश की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत बनाने पर विशेष बल दिया गया।

वाराणसी : 22 से 25 तक होगा भव्य एयर शो



वाराणसी, (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना दिवस की 94वीं वर्षगांठ के अवसर पर वाराणसी के नमो घाट पर 22, 24 और 25 अक्टूबर को भव्य एयर शो का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए वायुसेना ने नमो घाट परिसर को अपने नियंत्रण में ले लिया है। इससे पहले 21 अक्टूबर को (आज) सुबह 11 बजे से दोपहर दो बजे तक अंतिम अभ्यास होगा। इसमें 20 से अधिक आधुनिक लड़ाकू विमान और हेलीकॉप्टर गंगा के ऊपर करतब दिखाएंगे। सुरक्षा कारणों से नमो घाट पर आम लोगों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। लोग अस्सी घाट से राजघाट तक विभिन्न घाटों से एयर शो देख सकेंगे। चंदौली के लोग डोमरी से रामनगर के बीच नदी तट और मैदानी इलाकों से विमानों का प्रदर्शन देख पाएंगे। प्रशासन का अनुमान है कि एयर शो देखने के लिए वाराणसी और आसपास के जिलों से 20 लाख से अधिक लोग पहुंच सकते हैं। भीड़ नियंत्रण, यातायात और सुरक्षा के लिए पांच हजार से अधिक अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। गाजीपुर, जौनपुर और चंदौली के प्रशासनिक अधिकारियों को भी जिम्मेदारी सौंपी गई है।

ममता बनर्जी ने सीजेपी

नेताओं की तत्काल

रिहाई की मांग की



नई दिल्ली, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कांक्रोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेताओं आशुतोष चंद्रा और सौरभ दास की तत्काल रिहाई की मांग की है। जंतर-मंतर पर कथित अनधिकृत प्रवेश के मामले में दोनों की न्यायिक हिरासत दो दिन बढ़ाए जाने पर उन्होंने नाराजगी जताई और इसे राज्य-प्रायोजित आतंकवाद करार दिया।

ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर आरोप लगाया कि युवाओं को निशाना बनाकर लोकतांत्रिक अधिकारों को कमजोर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विश्वास रखने वालों को दोनों नेताओं की तत्काल रिहाई सुनिश्चित करनी चाहिए। दोनों नेताओं को 14 अक्टूबर को पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। सोमवार को हिरासत की अवधि समाप्त होने पर उन्हें विशेष कार्यपालक मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया। दिल्ली पुलिस ने हिरासत बढ़ाने की मांग की, जिसके बाद उनकी न्यायिक हिरासत दो दिन और बढ़ा दी गई। सीजेपी की कानूनी मामलों की प्रमुख रत्ना सिंह ने हिरासत बढ़ाने के फैसले पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि अभियोजन पक्ष ने पर्याप्त कानूनी दलीलें पेश नहीं कीं। उन्होंने दोनों नेताओं की रिहाई की मांग की। मामला जंतर-मंतर पर कथित तौर पर बिना अनुमति प्रवेश करने से जुड़ा है। ममता बनर्जी ने अपनी पोस्ट में कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए आवाज उठाने वालों के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए।

अमित शाह ने पंजाब सरकार पर साधा निशाना, बोले-

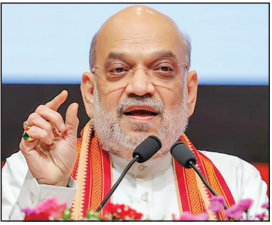
पंजाब में नशे की पुड़िया कैसे पहुंच रही?

■ 20 हजार करोड़ रुपये की ड्रग पकड़े जाने का किया जिक्र

■ नशे के खिलाफ आवाज उठाने वालों की मौत पर जताया दुख

लुधियाना, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर नशे के कारोबार को लेकर निशाना साधा। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान से सवाल किया कि जब बंदरगाहों पर 20 हजार करोड़ रुपये की ड्रग पकड़ी गई, तो पंजाब में नशा पुड़िया बनकर कैसे पहुंच रहा है। उन्होंने राज्य में नशे के कारोबार पर प्रभावी कार्रवाई करने की मांग की।

विजयादशमी के अवसर पर लुधियाना पहुंचे शाह ने गुरदासपुर,



संगरूर और मानसा में नशे के खिलाफ आवाज उठाने वाले लोगों की मौत और आत्महत्या की घटनाओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि गुरदासपुर के 40 वर्षीय विक्रमजीत सिंह, संगरूर के गुलजार सिंह और मानसा के परविंदर सिंह झोटा से जुड़े मामलों ने उन्हें गहरे तक झकझोर दिया है।

शाह ने कहा कि उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में कई दुखद घटनाओं के बाद पीड़ित परिवारों से मुलाकात की है, लेकिन पंजाब के

लोगों की पीड़ा सुनकर उन्हें बेहद दुख हुआ। उन्होंने सवाल किया कि जिन परिवारों ने अपने बेटे, भाई या पति को खोया है, उन्हें पंजाब सरकार क्या जवाब देगी।

गृह मंत्री ने कहा कि वह पहले भी पंजाब में नशे के खिलाफ आयोजित भाजपा की रैली में कारोबार समाप्त करने की अपील कर चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि नशे के मुद्दे पर कार्रवाई के बजाय उन पर ही आरोप लगाए गए।

शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान ने एक मामले की जांच सीबीआई को सौंपी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि मामले में जो भी दोषी होगा, उसे तलाशकर कानून के हवाले किया जाएगा। उन्होंने पंजाब सरकार से नशे और चिट्ठे के कारोबार को समाप्त करने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की।

टाइगर श्रॉफ पर गोलीबारी मामले पर विपक्ष ने फडणवीस सरकार को घेरा

हमलावरों के आकाओं

को कहीं से भी दूँढकर निकालेंगे : फडणवीस

मुंबई, अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर रिवार शाम हुई गोलीबारी के बाद महाराष्ट्र की राजनीति गरमा गई है। हमले में टाइगर बाल-बाल बच गए, जबकि उनका चालक घायल हो गया और अस्पताल में भर्ती है। टाइगर को भी हल्की चोटें आने की जानकारी सामने आई है। विपक्षी दलों ने घटना को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए राज्य में 'जंगलराज' होने का आरोप लगाया है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि हमलावरों के आका कहीं भी छिपे हों, उन्हें बख्खा नहीं जाएगा। उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र में सक्रिय आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि साजिश के मुख्य आरोपी राज्य से बाहर या विदेश में रहकर काम कर रहे हैं।



भारत-यूईई संबंध व्यापक रणनीतिक

साझेदारी के वादे पर खरे उतर रहे : जयशंकर

मुंबई, (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूईई) के संबंध व्यापक रणनीतिक साझेदारी के रूप में लगातार मजबूत हो रहे हैं। मुंबई में यूईई के उपप्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान और उनके उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए उन्होंने दोनों देशों के बीच बढ़ते सहयोग को रेखांकित किया।

जयशंकर ने कहा कि दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व के बीच लगातार संपर्क से द्विपक्षीय संबंधों को नई मजबूती मिली है। इस वर्ष जनवरी में यूईई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान की भारत यात्रा, फरवरी में फ्राउन प्रिंस शेख खालिद की भारत यात्रा और मई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूईई यात्रा ने संबंधों को गहराई प्रदर्शित है।

उन्होंने बताया कि व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीडीपीए) के बाद



दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 100 अरब अमेरिकी डॉलर के पार पहुंच गया है। रक्षा, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में भी सहयोग बढ़ रहा है।

जयशंकर ने कहा कि क्षेत्रीय चुनौतियों के बीच भारत संवाद और कुटनीति के प्रयासों का समर्थन करता रहेगा। भारत व्यापार, ऊर्जा और उर्वरकों की निर्यात एवं सुरक्षित आपूर्ति के पक्ष में है। उन्होंने यूईई में भारतीय समुदाय की देखभाल के लिए वहां के नेतृत्व का आभार भी जताया।

बेंगलुरु जा रही एयर

इंडिया एक्सप्रेस की

उड़ान से टकराया पक्षी

सभी 148 यात्री सुरक्षित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विशाखापत्तनम से बेंगलुरु जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान आईएक्स2065 पक्षी से टकरा गई। हालांकि, विमान ने मंगलवार को बेंगलुरु के केम्पेगोड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतरने में सफलता हासिल की। विमान में सवार सभी 148 यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं।

लैंडिंग के बाद विमान को पार्किंग स्थल पर ले जाया गया। मानक सुरक्षा प्रक्रिया के तहत तकनीकी टीम ने विमान की विस्तृत जांच शुरू कर दी है, ताकि उसके ढांचे और इंजन को हुए संभावित नुकसान का पता लगाया जा सके। घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

इस बीच, पश्चिम एशिया में बदलते सुरक्षा हालात के कारण भारतीय विमान कंपनियों ने सऊदी अरब के लिए कई उड़ानें अस्थायी रूप से रद्द कर दी हैं। एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने रियाद, जेद्दा तथा दम्माम के लिए उड़ानों का निलंबन 20 अक्टूबर तक बढ़ाया है। इंडिगो ने इन शहरों के साथ मर्दना के लिए भी 24 अक्टूबर तक उड़ानें रद्द की हैं। अकासा एयर ने रियाद के लिए 21 अक्टूबर और जेद्दा के लिए 24 अक्टूबर तक सेवाएं निलंबित रखी हैं।

22 अक्टूबर को रामपुर आएं

अखिलेश यादव, आजम खान

से जेल में करेंगे मुलाकात



रामपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव 22 अक्टूबर को रामपुर आएंगे। इस दौरान वह जिला कारागार में बंद पूर्व मंत्री आजम खां से मुलाकात करेंगे। इसके अलावा आजम खां के परिवार से भी मिलने का कार्यक्रम है।

जारी कार्यक्रम के अनुसार, अखिलेश यादव सुबह 11 बजे लखनऊ के अमौसी एयरपोर्ट से निजी विमान से रवाना होंगे। सुबह 11:45 बजे बरेली एयरपोर्ट पहुंचने के बाद 11:55 बजे हेलीकॉप्टर से रामपुर के लिए उड़ान भरेंगे। दोपहर 12:20 बजे जौहर विश्वविद्यालय पहुंचेंगे और वहां से कार द्वारा जिला कारागार जाएंगे। दोपहर 12:45 बजे आजम खां से मुलाकात करेंगे। इसके बाद दोपहर 1:45 बजे वह जेल रोड स्थित आजम खां के आवास पहुंचकर उनके परिवार से मिलेंगे। दोपहर 2:30 बजे आवास से रवाना होकर जौहर विश्वविद्यालय पहुंचेंगे और वहां से हेलीकॉप्टर के जरिए बरेली के लिए रवाना हो जाएंगे।

कुछ दिन पहले आजम खां की पत्नी और पूर्व सांसद तजीन फातिमा ने लखनऊ में अखिलेश यादव से मुलाकात की थी। उस दौरान अखिलेश ने जल्द रामपुर आने का आश्वासन दिया था। सपा जिलाध्यक्ष अजय सागर ने बताया कि दौरे की तैयारियां की जा रही हैं।

कोलकाता के बाजार में भीषण आग, 15 दुकानें जलकर खाक

कोलकाता, (एजेंसी)। दक्षिण कोलकाता के बाघा जतिन इलाके के एक बाजार में मंगलवार तड़के भीषण आग लगने से करीब 15 दुकानें जलकर खाक हो गईं। आग पर काबू पाने के लिए दमकल की 15 गाड़ियों को लगाया गया। लगभग तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग बुझाई जा सकी। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

अग्निशमन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, आग मंगलवार सुबह करीब चार बजे पूजा सामग्री बेचने वाली एक दुकान में लगी थी। देखते ही देखते आग

ने आसपास की दुकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलने पर दमकलकर्मी और नेताजी नगर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। आग की गंभीरता को देखते हुए दमकल की गाड़ियों की संख्या बढ़ाई गई।

दमकलकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और उसे बाजार के दूसरे पहुंचे। लोहार के समय दुकानों में आग लगने से व्यापारियों को भारी नुकसान हुआ है। जादवपुर से भाजपा विधायक शरवरी मुखर्जी भी घटनास्थल पर पहुंचीं।

सामने आई है। नुकसान का वास्तविक आकलन जांच पूरी होने के बाद किया जाएगा।

आग के कारण गरिया और जादवपुर को जोड़ने वाली राजा एससी मलिकल रोड पर यातायात भी प्रभावित हुआ। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली।

घटना की जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में व्यापारी बाजार पहुंचे। लोहार के समय दुकानों में आग लगने से व्यापारियों को भारी नुकसान हुआ है। जादवपुर से भाजपा विधायक शरवरी मुखर्जी भी घटनास्थल पर पहुंचीं।



मणिपुर में आईईडी विस्फोट में

सीआरपीएफ के 3 जवान घायल

गोलीबारी में तीन ग्रामीणों की मौत

इंफाल, (एजेंसी)। मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले में रविवार देर रात हुए आईईडी विस्फोट में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के तीन जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं, इंफाल पूर्व से जुड़ी अलग-अलग घटनाओं में तीन ग्रामीणों की मौत हो गई, चार लोग घायल हुए और तीन के लापता होने की सूचना है। पुलिस के अनुसार, विस्फोट सिंगजामई थाने के पास ककवा लंदईबंग लंपक इलाके में हुआ। घायल जवानों की पहचान सी. पूनमबलम (58), रमेश कुमार (57) और पबित्रा कुमार जेना (56) के रूप में हुई है। तीनों को इलाज के लिए इंफाल के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। विस्फोट के कारणों का पता नहीं चल पाया है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक लहरी सुराजी ल्हाटू ने बताया कि पुलिस मामले में मिले सुरागों की जांच कर रही है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली में प्रदूषण से निपटने के लिए शीतकालीन कार्ययोजना तैयार, 1 नवंबर से पाबंदियां लागू

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

दिल्ली सरकार ने सर्दियों में बढ़ने वाले वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए 1 नवंबर से 28 फरवरी तक शीतकालीन कार्ययोजना लागू करने की तैयारी की है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इसके तहत वाहनों, निर्माण कार्यों और कार्यालयों से जुड़े कई उपायों की जानकारी दी है।

योजना के तहत वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसी) के बिना ईंधन नहीं देने की नीति लागू की जाएगी। दिल्ली के बाहर से आने वाले बीएस-6 से कम मानक वाले वाहनों के प्रवेश पर भी प्रतिबंध लगाने की घोषणा की गई है।



मुख्यमंत्री के अनुसार, निर्माण और तोड़फोड़ के कार्यों पर रोक, निर्माण स्थलों की कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी और कार्यालयों में 50

प्रतिशत कर्मचारियों के लिए घर से काम करने की व्यवस्था जैसे उपाय भी शामिल हैं। रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रदूषण

पर नियंत्रण के लिए सरकार के साथ नागरिकों की भागीदारी भी जरूरी है। उन्होंने इलेक्ट्रिक बसों, मेट्रो सेवाओं, अंतिम छोर तक सर्वजनिक परिवहन की सुविधा और साझा वाहन व्यवस्था को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर कहा कि दिल्ली सर्दियों के प्रदूषण से निपटने के लिए समय रहते कदम उठा रही है। सरकार का उद्देश्य परिवहन और निर्माण गतिविधियों से होने वाले प्रदूषण को कम करना तथा लोगों को स्वच्छ वातावरण बनाने के प्रयासों को मजबूत करना है।

दक्षिण की राजनीति में बदलाव के संकेत

(लेखक- सौरभ वाण्य)

केंद्र सरकार के विधायी एजेंडे का समर्थन करने वाले दक्षिण भारतीय दलों का चुनाव आयोग के खिलाफ मुखर होना बदलते राजनीतिक समीकरणों का संकेत है। एसआईआर, वोट चोरी के आरोप और चुनावी निष्पक्षता पर उठते सवालों के बीच आगामी विधानसभा चुनावों में विपक्ष की रणनीति और सहयोगी दलों का रुख महत्वपूर्ण हो सकता है।

भारतीय राजनीति में बदलाव की आहट अब केवल उत्तर भारत तक सीमित नहीं दिखाई देती, बल्कि दक्षिण भारत के राजनीतिक गलियारों में भी नए समीकरण उभरते नजर आ रहे हैं। जिन क्षेत्रीय दलों ने संसद में कई मौकों पर केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाने में सहयोग किया, उनमें से कुछ का चुनाव आयोग और चुनावी प्रक्रिया को लेकर अधिक मुखर होना राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। सवाल यह है कि क्या यह केवल अपने राज्यों के राजनीतिक हितों की रक्षा का प्रयास है, या इसके पीछे राष्ट्रीय राजनीति में बदलते जनमत और सत्ता के समीकरणों का भी संकेत छिपा है?

दक्षिण भारत की राजनीति लंबे समय से अपनी अलग पहचान रखती है। तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में मतदाताओं के मुद्दे, क्षेत्रीय अस्मिता, सामाजिक न्याय, भाषा, विकास और स्थानीय नेतृत्व की भूमिका चुनावी परिणामों को प्रभावित करती रही है। यहां किसी राष्ट्रीय दल के लिए केवल राष्ट्रीय लोकप्रियता के आधार पर राजनीतिक बढ़त बनाए रखना आसान नहीं होता। क्षेत्रीय दलों की मजबूत जड़ें और स्थानीय नेतृत्व की स्वीकार्यता केंद्र की राजनीति में भी उनकी भूमिका को महत्वपूर्ण बनाती है।

चुनाव आयोग की भूमिका और मतदाता सूची के

विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर उठ रहे सवाल अब व्यापक राजनीतिक बहस का विषय बनते जा रहे हैं। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता, मतदाता सूची की शुद्धता और मताधिकार की सुरक्षा को लेकर सरकार तथा चुनाव आयोग से जवाब मांग रहे हैं। विपक्ष की ओर से लगाए जा रहे वोट चोरी के आरोपों ने भी इस बहस को राजनीतिक धार दी है। हालांकि, इन आरोपों को प्रमाणित तथ्य मानने के बजाय उनकी निष्पक्ष जांच, उपलब्ध साक्ष्यों और आयोग के जवाब के आधार पर परखना आवश्यक है।

ऐसे माहौल में यदि दक्षिण भारत के क्षेत्रीय दल भी खुलकर अपनी आपत्तियां सामने रखते हैं, तो इसे केवल विपक्षी राजनीति का विस्तार कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। यह भी संभव है कि इन दलों को अपने राज्यों में मतदाता सूची, संघीय अधिकारों और चुनावी प्रतिस्पर्धा से जुड़े मुद्दों पर राजनीतिक दबाव महसूस हो रहा हो। उनके रुख से यह संकेत जरूर मिलता है कि संसद में किसी मुद्दे पर सहयोग और चुनावी व्यवस्था पर सवाल उठाने के बीच राजनीतिक दल अपना स्वतंत्र दृष्टिकोण बनाए रख सकते हैं।

यह प्रश्न आज राजनीतिक चर्चा के केंद्र में है कि क्या मोदी लहर की लोकप्रियता और भाजपा की चुनावी पकड़ में पहले जैसी मजबूती नहीं रही। लेकिन किसी एक विरोध प्रदर्शन, प्रेस वार्ता या क्षेत्रीय दल के बदले हुए रुख को मोदी लहर के कमजोर पड़ने का निर्णायक प्रमाण मानना जल्दबाजी होगी। राष्ट्रीय राजनीति में लोकप्रियता का आकलन करने के लिए चुनावी नतीजों, जनमत सर्वेक्षणों, राज्यों के मुद्दों, गठबंधन की स्थिति और मतदाताओं के व्यवहार को समग्र रूप से देखना होगा।

यह जरूर है कि भारतीय मतदाता अब कई

स्तरों पर राजनीतिक दलों का मूल्यांकन करते हैं। राष्ट्रीय नेतृत्व की लोकप्रियता के साथ महंगाई, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, स्थानीय विकास, किसानों की समस्याएं और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर भरोसा भी महत्वपूर्ण हैं। यदि विपक्ष इन मुद्दों को जनता से प्रभावी ढंग से जोड़ने में सफल रहता है, तो भाजपा के सामने चुनौती बढ़ सकती है। दूसरी ओर, भाजपा का संगठन, नेतृत्व और व्यापक चुनावी नेटवर्क भी उसकी राजनीतिक ताकत के महत्वपूर्ण आधार हैं। इसलिए सवाल केवल मोदी लहर के कमजोर होने का नहीं, बल्कि यह है कि क्या विपक्ष अपने आरोपों और राजनीतिक नाराजगी को ठोस जनसमर्थन में बदलने की क्षमता विकसित कर रहा है।

कांग्रेस चुनाव आयोग के खिलाफ विरोध और वोट चोरी के आरोपों के माध्यम से चुनावी निष्पक्षता को प्रमुख राजनीतिक मुद्दा बनाने का प्रयास कर रही है। इस रणनीति का उद्देश्य केवल केंद्र सरकार को घेरना नहीं, बल्कि मताधिकार और लोकतांत्रिक संस्थाओं से जुड़े प्रश्नों को आम मतदाता तक पहुंचाना भी है। हालांकि, किसी आंदोलन की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि वह जनता की वास्तविक चिंताओं से कितना जुड़ता है और उसके समर्थन में कितने विश्वसनीय तथ्य प्रस्तुत किए जाते हैं।

विपक्ष के सामने सबसे बड़ी चुनौती उसकी अपनी एकजुटता है। राष्ट्रीय स्तर पर साझा मुद्दे उठाना एक बात है, लेकिन राज्यों में सीटों का बंटवारा, नेतृत्व का प्रश्न और क्षेत्रीय हितों का समन्वय दूसरी बात। दक्षिण भारत के दल कांग्रेस के साथ किसी मुद्दे पर सहमत हो सकते हैं, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि वे हर चुनाव में कांग्रेस की रणनीति का हिस्सा बन जाएंगे। क्षेत्रीय दलों के अपने राजनीतिक लक्ष्य हैं और वे उन्हीं के आधार पर केंद्र सरकार तथा विपक्ष के साथ संबंध तय करते हैं।

आस्था की कीमत जान देकर चुकाते श्रद्धालु!

(लेखक- मनोज कुमार अग्रवाल)

देश भर के धार्मिक आयोजन स्थलों पूजा पंडालों तीर्थ मंदिरों स्नान घाटों पर बर्दइतजामी चरम पर है कमोवेश सभी जगह एक सी हालत है अब कोलकाता के उत्तर हिस्से में चितरंजन एवेन्यू के पास चोरबागान दुर्गापूजा पंडाल में 17 अक्टूबर शनिवार शाम मची भगदड़ में 19 लोगों की मौत हो गई, जबकि 24 घायल हो गए।घायलों में एक की हालत गंभीर है। मृतकों में चार पुरुष, दो बच्चे और 13 महिलाएं शामिल हैं। इस दर्दनाक हादसे के बाद पूरे बंगाल में हड़कंप मच गया है. मामलों की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है. इनमें पूजा समिति के पदाधिकारी और सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े लोग शामिल हैं. अदालत ने सभी आरोपियों को 10 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है. हादसे के बाद सरकार ने भीड़ संभालने के लिए नौ आईपीएस अधिकारियों को तैनात किया है.

तमाम हिन्दू धार्मिक आयोजनों दुर्गा पूजा पंडाल गणेश विसर्जन यात्रा में अति उत्साह कुप्रबन्ध बना रहता है आम श्रद्धालु श्रद्धा के अतिरेक में घंटों भूख प्यास सह कर भी लाइन में लगकर दर्शन पूजन के लिए अपनी बारी का इंतजार करता है. अधिकांश बड़े मंदिरों पर तो बाकायदा ऐसे देकर वीआईपी दर्शन की सुविधा को ही वैधता दे दी गई है। बहरहाल इस सब बर्दइतजामी के चलते अब आस्था का मोल श्रद्धालु अपनी जान देकर चुकाने को मजबूर हैं। आपको याद दिला दें कि श्रावण मास का तीसरे सोमवार 17 अगस्त 2026 को श्रद्धालुओं के जीवन पर भारी पड़ गया। इस दिन विभिन्न राज्यों में धार्मिक स्थलों पर हुई भगदड़ और हादसों में कुल 27 लोगों की मौत हो गई। बिहार के लखौंसराय स्थित अशोकधाम मंदिर में भगदड़ से 7 श्रद्धालुओं की जान चली गई, जबकि कई अन्य हादसों में कम से कम बीस जान गयीं हैं जबकि हताहतों की तादाद सैकड़ों की संख्या में है। घायल हुए। दरअसल यह हादसों की पहली बार नहीं है हिन्दू धर्म स्थानों पर कुप्रबन्ध अव्यवस्था रखरखाव में गड़बड़ी सकीर्ण गलियारे और श्रद्धालुओं की बढ़ती तादाद असंयमित व्यवहार के

साथ ही अफवाहों की साजिशें हर पर्व त्योहार दर्शन स्नान मेलों में हादसों की श्रृंखला बना रहे हैं।

आपको बता दें कि बिहार के अशोकधाम मंदिर में सावन के तीसरे सोमवार पर जलाभिषेक के दौरान बिजली का खंभा गिरने और अफवाह फैलने से मची भगदड़ में 7 श्रद्धालुओं की मौत और 19 से अधिक घायल हुए। वहीं मध्य-प्रदेश में उज्जैन के महाकाल मंदिर सहित चार राज्यों में विभिन्न हादसों और भीड़ के दबाव के कारण कुल 27 लोगों की जान चली गई।अभी दो माह पहले ही महाराष्ट्र के परभणी जिले की मानवत तहसील स्थित यशवाड़ी मारुति मंदिर में शनिवार को हुआ दर्दनाक हादसा पूरे देश को झकझोर दिया। मंदिर परिसर के सामने बना सभा मंडप अचानक भरभराकर गिर पड़ा, जिसके कारण कई श्रद्धालु मलबे में दब गए छह लोगों की मौत हो गई थी।

आपको याद होगा कि महाकुंभ मेला, प्रयागराज जनवरी 2025 मौनी अमावस्या के पावन अवसर पर सगम में पवित्र स्नान के लिए लाखों श्रद्धालु एकत्र हुए थे। अखाड़ा मार्ग पर तीर्थयात्रियों के अत्यधिक दबाव से अचानक बैरिकेड्स ढह गए। इस दर्दनाक हादसे में 30 से अधिक लोगों की मौत हुई और 60 से ज्यादा घायल हुए।इसी तरह तिरुमला वेंकटेश्वर मंदिर, आंध्र प्रदेश में जनवरी 2025 वैकुंठ एकादशी त्योहार के दौरान वीआईपी और सामान्य दर्शन टिकट लेने के लिए हजारों श्रद्धालुओं के बीच धक्का-मुक्की शुरू हुई। इस भीड़ के अनियंत्रित होने से मची भगदड़ में 6 श्रद्धालुओं की मौत हुई और 20 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए। वहीं हाथरस सत्संग, उत्तर प्रदेश 2 जुलाई 2024 को एक धार्मिक आयोजन में बरती गयी लापरवाही सैकड़ों श्रद्धालुओं की जान ले गयी। यह हाल के वर्षों की सबसे भीषण घटनाओं में से एक है। क्षमता से तीन गुना अधिक यानी करीब 2.5 लाख लोग एक अस्थायी टेंट में जमा हो गए थे। बाबा के जाने के बाद धूल लूने की होड़ और अत्यधिक गर्मी व उमस के कारण मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई।

माता वैष्णो देवी भवन जनवरी 2022 को नए साल के मौके पर जम्मू- कश्मीर के कटरा में स्थित वैष्णो देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़

कृष्ण हैं परम पुरुष

जीव तथा भगवान की स्वाभाविक स्थिति के विषय में अनेक दार्शनिक ऊहापोह में रहते हैं। जो भगवान कृष्ण को परम पुरुष के रूप में जानता है, वह सारी वस्तुओं का ज्ञाता है। अपूर्ण ज्ञाता परम सत्य के विषय में केवल चिन्तन करता जाता है, जबकि पूर्ण ज्ञाता समय का अपव्यय किये बिना सीधे कृष्णभावनामृत में लग जाता है, अर्थात भगवान की भक्ति करने लगता है। सम्पूर्ण भगवद्गीता में पग-पग पर इस तथ्य पर बल दिया गया है। फिर भी भागवद्गीता के ऐसे अनेक कट्टर भाष्यकार हैं, जो परमरे तथा जीव को एक ही मानते हैं। वैदिक ज्ञान श्रुति कहलाता है, जिसका अर्थ है श्रवण करके सीखना। वास्तव में वैदिक सूचना कृष्ण तथा उनके प्रतिनिधियों जैसे अधिकारियों से ग्रहण करनी चाहिए। यहां कृष्ण ने हर वस्तु का अंतर सुन्दर ढंग से बताया है, अतएव इसी स्रोत से सुनना चाहिए। लेकिन केवल सुनना पर्याप्त नहीं है। मनुष्य को चाहिए कि अधिकारियों से समझे। ऐसा नहीं कि केवल शुष्क चिन्तन ही करता रहे। मनुष्य को विनीत भाव से भगवद्गीता से

के बीच हुई रेलमपेल में 12 लोगों की जान चली गई थी रतनगढ़ माता मंदिर, दंतिया मध्य-प्रदेश में अक्टूबर 2013 नवरात्रि के दौरान मंदिर की ओर जा रहे श्रद्धालुओं के बीच पुल टूटने की अफवाह उड़ी, जिससे मची भगदड़ में 89 लोगों की मौत हुई थी। छठ घाट पर नवंबर 2012 में बिहार की राजधानी पटना में छठ पर्व के दौरान नदी घाट पर अचानक मची अफरा-तफरी के कारण 20 ब्रतियों और श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी।नैना देवी मंदिर, हिमाचल प्रदेश में अगस्त 2008 भूस्खलन और चट्टानें गिरने की झूठी अफवाह के बाद फैली दहशत से 162 से अधिक श्रद्धालुओं की कुचलकर मौत हो गई थी।वामुंडा देवी मंदिर, जोधपुर में सितंबर 2008 नवरात्रि के दौरान मंदिर परिसर में बम होने की अफवाह फैलने से मची भयंकर भगदड़ में करीब 250 लोगों की जान चली गई थी।सबरीमाला, केरल जनवरी 2011 मकरज्योति के दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं के बीच वाहन दुर्घटना के बाद मची भगदड़ में 104 से अधिक तीर्थयात्रियों की मौत हुई थी।मंधारदेवी मंदिर, महाराष्ट्र जनवरी 2005 में सालाना यात्रा के दौरान नारियल के पानी से सीढ़ियां फिसलनी होने के कारण लोग गिरते गए, जिसमें 340 से अधिक श्रद्धालु मारे गए थे।

पिछले दिनों यूपी के वृन्दावन में इस्कॉन मंदिर के गेट पर नगर निगम द्वारा लगाए गए शॉवर कूलर में अचानक कटेंट उतर आया। इसकी चपेट में आने से एक 21 वर्षीय श्रद्धालु की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। राजस्थान के खादू श्याम मंदिर में उमड़ने वाली भारी भीड़, कुप्रबंधन, और उचित कतारें न होने के कारण अक्सर भगदड़ और विवाद जैसी स्थितियां सामने आती हैं। उत्तर प्रदेश के मथुरा जनपद में स्थित विश्व प्रसिद्ध ठाकुर बांके बिहारी मंदिर के समीप एक हृदयविकार हादसा सामने आया है। मंदिर के गेट नंबर 5 के पास स्थित एक गली में अचानक एक पुराने मकान का छज्जा गिर गया, जिसकी चपेट में आने से वहां से गुजर रहे कई श्रद्धालु घायल हो गए थे।

भारत आस्था और श्रद्धा का देश है। यहां प्रतिदिन लाखों लोग मंदिरों, मस्जिदों, गुरुद्वारों और अन्य धार्मिक स्थलों पर पहुंचते हैं। विशेष अवसरों पर श्रद्धालुओं की संख्या कई गुना बढ़ जाती है।



जनगणना के नए नियमों पर विवाद, जनगणना में संघ का हस्तक्षेप?

(लेखक - सनत जैन)

भारत में जनगणना केवल आबादी गिनने की सरकारी प्रक्रिया नहीं है। देश की सामाजिक, आर्थिक और जनसांख्यिकीय तस्वीर तैयार करने का सबसे महत्वपूर्ण आधार हर 10 वर्ष में होने वाली जनगणना है। इसी आंकड़े से सरकार की योजनाएं बनती हैं। संसाधनों का वितरण होता है। भविष्य की नीतियों की दिशा तय होती है। ऐसे महत्वपूर्ण कार्य को लेकर विवाद खड़ा होना निश्चित रूप से चिंता का विषय है। वर्ष 2021 में होने वाली जनगणना में 6 वर्ष की देरी के बाद अब 2027 की जनगणना के लिए नियमों में बदलाव ने राजनीतिक बहस छेड़ दी है। जनगणना भी अब राजनीतिक विवादों का विषय बन गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन भारत के महारजिस्ट्रार कार्यालय ने 16 अक्टूबर 2026 को जनगणना नियम, 1990 में संशोधन की अधिसूचना जारी की है। जनगणना अधिनियम, 1948 की धारा 18 के तहत किए गए इस बदलाव के

अनुसार अब सरकारी संस्थानों के साथ निजी शिक्षण संस्थानों, सहायता प्राप्त और गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों, सोसायटियों, ट्रस्टों तथा विभिन्न संस्थानों के कर्मचारियों को भी गणना के काम में लगाया जा सकता है। इतना ही नहीं, राज्य सरकार या केंद्रशासित प्रदेश प्रशासन जिसे उपयुक्त समझे, ऐसे व्यक्ति को भी गणनाकर्मों नियुक्त कर सकता है। सरकार का तर्क है, इतने विशाल देश में जनगणना के लिए पर्याप्त प्रशिक्षित कर्मचारी जुटाना बड़ी चुनौती है। कई सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की संख्या कम है। ऐसे में केवल सरकारी कर्मचारियों पर निर्भर रहने से शैक्षणिक कार्य और जनगणना के कार्य प्रभावित हो सकते हैं। दूसरी ओर, सवाल यह है, कर्मचारियों की कमी दूर करने के लिए क्या चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता और राजनीतिक निष्पक्षता सुनिश्चित करने के पर्याप्त प्रबंध किए गए हैं?

कांग्रेस ने इस बदलाव पर गंभीर आपत्ति जताई है। पार्टी के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रशिक्षण शिविर और जनगणना को लेकर उसकी तैयारियों

का हवाला देते हुए आशंका व्यक्त की है। नए नियमों से संघ से जुड़े लोगों को जनगणना में शामिल करने का रास्ता खोला गया है। जयराम रमेश ने आरोप लगाया है। कर्नाटक के बेलगांव मे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का एक प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया था, जिसमें जनगणना को लेकर प्रशिक्षण दिया गया है। कांग्रेस का आरोप है, कि जनगणना जैसी संवेदनशील प्रक्रिया में वैचारिक रूप से जुड़े लोगों की भूमिका आंकड़ों की निष्पक्षता को लेकर संदेह पैदा करती है। का.गं.स का चिंता को केवल राजनीतिक विरोध कहकर खारिज करना भी उचित नहीं होगा। हाल के वर्षों में चुनावी प्रक्रिया, मतदाता सुचियों और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर विपक्ष लगातार सवाल उठाता रहा है। मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने की प्रक्रिया पर उठे विवादों ने संस्थागत विश्वसनीयता को सार्वजनिक बहस का विषय बना दिया है। चुनाव संबंधी आरोपों और जनगणना में संभावित गड़बड़ी में जातीय और धार्मिक आधार पर बड़े पैमाने पर गड़बड़ी किए जाने की

आशंका व्यक्त की जा रही है। ऐसी स्थिति में सरकार की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। जनगणना के कर्मचारी किसी राजनीतिक दल, विचारधारा या संगठन के प्रतिनिधि नहीं, बल्कि राष्ट्र की ओर से तथ्य जुटाने वाले अधिकारी और कर्मचारी होते हैं। उनकी नियुक्ति, प्रशिक्षण, पहचान, निगरानी और जवाबदेही तय की जाती है। सरकारी कर्मचारी होने के नाते वह अपने काम को नियम के साथ करते हैं और उसके लिए जिम्मेदार भी होते हैं। महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है, जनगणना 2027 की प्रक्रिया पूरी तरह रुकी हुई नहीं है। सरकार के अनुसार 2026 में मकान सूचीकरण और मकानों की गणना का पहला चरण शुरू हो चुका है। अब इसमें परिवर्तन किया जा रहा है। जिसके कारण कई तरह के संदेह उत्पन्न हो रहे हैं। असली प्रश्न यह है कि लंबे विलंब के बाद शुरू हुई जनगणना की प्रक्रिया कितनी विश्वसनीय और पारदर्शी होगी। जनगणना में युवाओं और स्वयंसेवकों को अवसर देना रोजगार तथा जनभागीदारी की दृष्टि से उपयोगी हो सकता है। लेकिन

इसके लिए राजनीतिक तटस्थता से समझौता नहीं किया जा सकता है। सरकार को स्पष्ट करना चाहिए, चयन का आधार क्या होगा। जनगणना की पारदर्शिता को लेकर भी अब सवाल खड़े होने लगे हैं। लोकतंत्र में संस्थाओं की विश्वसनीयता केवल नियम बनाने से नहीं, बल्कि निष्पक्षता का भरोसा करना से बनती है। जनगणना के आंकड़े किसी सरकार या विपक्ष की संपत्ति नहीं, बल्कि पूरे देश की धरोहर हैं।

इसलिए सरकार को विपक्ष की आशंकाओं का जवाब तथ्यों से देना चाहिए। कांग्रेस को भी आरोपों के साथ प्रमाण प्रस्तुत करने चाहिए। जनगणना की सफलता इसी में है, उसके आंकड़ों पर सत्ता और विपक्ष, दोनों को समान रूप से भरोसा हो। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में पहले से जाति मतभेद देखने को मिल रहे हैं। ऐसी स्थिति में सरकार को भी ध्यान रखना होगा की जनगणना का काम पूरी पारदर्शिता के साथ हो।

त्योहारी सीजन में नाफेड बेचेगा बफर स्टॉक से दालें

अक्टूबर अंत तक 1.9 लाख टन मूंग बाजार में उतारी जाएगी

नई दिल्ली ।

त्योहारी सीजन में दालों की बढ़ती कीमतों और मांग को नियंत्रित करने के लिए केंद्र सरकार ने अहम कदम उठाया है। राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नाफेड) अब अपने बफर स्टॉक से बड़ी मात्रा में दालें खुले बाजार में बेचेगा। इसका मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करना और बाजार में पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करना है। सरकार न नाफेड के विभिन्न केंद्रों को इस संबंध में सक्रय निर्देश जारी किए हैं और एक निश्चित समय-सीमा भी तय की गई है। योजना के तहत नाफेड को अक्टूबर के अंत तक लगभग 1.9 लाख टन मूंग दाल बाजार में उतारने का लक्ष्य दिया गया है। यह कदम बाजार में दालों की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने और खुदरा कीमतों पर लगाम कसने के लिए उठाया गया है। सूत्रों के अनुसार, यह मूंग दाल साल 2025 के बफर स्टॉक का हिस्सा है, जिसे कुछ तकनीकी कारणों से पहले जारी नहीं किया जा सका था। इस पहल से त्योहारी खरीदारी के दौरान उपभोक्ताओं को काफी राहत मिलने की उम्मीद है।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में गिरे सोने के दाम

विजयादशमी पर्व के अवसर पर बुलियन बाजार बंद

मुंबई ।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व की आगामी मौद्रिक नीति बैठक से पहले निवेशकों में सतर्कता का माहौल है, जिसके चलते मंगलवार को एशियाई बाजारों में सोने की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, भारत में जारी त्योहारी सीजन की मजबूत मांग ने घरेलू सोने के भावों को सहारा दिया, जिससे अंतरराष्ट्रीय कमजोरी का असर सीमित रहा। अंतरराष्ट्रीय हाजिर बाजार में सोना 0.3 फीसदी गिरकर 4,126.84 डॉलर प्रति औंस पर आ गया, वहीं दिसंबर डिलीवरी के लिए अमेरिकी गोल्ड स्पूचर भी 0.3 फीसदी टूटकर 4,146 डॉलर प्रति औंस पर रहा। भारत में विजयादशमी के अवसर पर मंगलवार को बुलियन बाजार बंद हैं, जबकि मेट्रो कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर शाम के सत्र में कारोबार होगा। इससे पहले सोमवार को भारत में 99.9 फीसदी शुद्धता वाले सोने की कीमत 400 रुपए बढ़कर 1,50,300 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई थी। बाजार के जानकारों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार की मजबूती और त्योहारी सीजन की शुरुआत से खुदरा मांग बढ़ने के कारण घरेलू बाजार में सोने को समर्थन मिला है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दिवाली से पहले खुदरा मांग में और वृद्धि हो सकती है, जिससे कीमतों को और समर्थन मिलेगा। पिछले समाह घरेलू बाजार में तीन महीने से अधिक समय में पहली बार सोना प्रीमियम पर कारोबार करता नजर आया था, जो ग्राहकों की बढ़ी हुई खरीदारी का संकेत है। चांदी का भाव लगातार दूसरे सत्र में 2.15 लाख रुपए प्रति किलोग्राम पर स्थिर रहा।

भारत में स्मार्टफोन की बिक्री 26 प्रतिशत गिरकर 3.58 करोड़ पहुंची

2026 की तीसरी तिमाही 2016 के बाद सबसे कमजोर

नई दिल्ली ।

ओम्डिया की सोमवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में स्मार्टफोन की बिक्री 2026 की तीसरी तिमाही में सालाना आधार पर 26 प्रतिशत गिरकर 3.58 करोड़ इकाई रह गई है। यह 2016 के बाद से किसी भी तीसरी तिमाही की सबसे कम बिक्री है, जो त्योहारी सीजन के बावजूद बाजार की धीमी गति को दर्शाता है। रिपोर्ट बताती है कि इस दौरान सैमसंग 67 लाख इकाइयों की मामूली एक फीसदी गिरावट के साथ शीर्ष स्थान पर पहुंच गया, जबकि उसकी बाजार हिस्सेदारी 19 फीसदी रही। वीवो 64 लाख इकाइयों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। वहीं, शाओमी की बिक्री 28 फीसदी घटकर 47 लाख इकाई और ओपो की बिक्री 24 फीसदी गिरकर 49 लाख इकाई रह गई, जिससे प्रमुख चीनी कंपनियों को बड़ा झटका लगा। पिछले 39 लाख इकाई की बिक्री के साथ शीर्ष पांच में शामिल रही, जिसमें 20 फीसदी की गिरावट देखी गई। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि ऑनलाइन बिक्री के लिए नए मॉडलों की कमी, किफायती फोनों की सीमित उपलब्धता और प्रचार योजनाओं के बीच अंतर घटने से पारंपरिक त्योहारी लाभ कम हुआ। सितंबर में आमतौर पर भंडार जुटाने के बावजूद, इस बार बिक्री की रफ्तार कमजोर रही।

पाकिस्तान ने आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान घटाकर 3.65 प्रतिशत किया

औद्योगिक व सेवा क्षेत्र में नरमी प्रमुख वजह, आर्थिक लक्ष्य से पीछे रहने का संकेत

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तान सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अपनी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को मामूली रूप से संशोधित करते हुए 3.65 प्रतिशत कर दिया है। यह फैसला औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों में आई हल्की सुस्ती के मद्देनजर लिया गया है, जो पहले के 3.70 प्रतिशत के अनुमान से कम है। राष्ट्रीय लेखा समिति (एनएसओ) की हालिया बैठक में इस संशोधन को मंजूरी मिली, जो पहले मई में चार प्रतिशत से घटाकर 3.70 प्रतिशत किया गया था। नए अनुमानों के अनुसार कृषि क्षेत्र 3.50 प्रतिशत की वृद्धि देखेगा, जबकि औद्योगिक क्षेत्र 3.34 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र 3.81 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करेगा। इन दोनों प्रमुख क्षेत्रों में पिछली अपेक्षाओं से कुछ नरमी दर्ज की गई है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष

पाकिस्तान ने आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान घटाकर 3.65 प्रतिशत किया

औद्योगिक व सेवा क्षेत्र में नरमी प्रमुख वजह, आर्थिक लक्ष्य से पीछे रहने का संकेत

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तान सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अपनी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को मामूली रूप से संशोधित करते हुए 3.65 प्रतिशत कर दिया है। यह फैसला औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों में आई हल्की सुस्ती के मद्देनजर लिया गया है, जो पहले के 3.70 प्रतिशत के अनुमान से कम है। राष्ट्रीय लेखा समिति (एनएसओ) की हालिया बैठक में इस संशोधन को मंजूरी मिली, जो पहले मई में चार प्रतिशत से घटाकर 3.70 प्रतिशत किया गया था। नए अनुमानों के अनुसार कृषि क्षेत्र 3.50 प्रतिशत की वृद्धि देखेगा, जबकि औद्योगिक क्षेत्र 3.34 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र 3.81 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करेगा। इन दोनों प्रमुख क्षेत्रों में पिछली अपेक्षाओं से कुछ नरमी दर्ज की गई है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष

पाकिस्तान ने आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान घटाकर 3.65 प्रतिशत किया

औद्योगिक व सेवा क्षेत्र में नरमी प्रमुख वजह, आर्थिक लक्ष्य से पीछे रहने का संकेत

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तान सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अपनी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को मामूली रूप से संशोधित करते हुए 3.65 प्रतिशत कर दिया है। यह फैसला औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों में आई हल्की सुस्ती के मद्देनजर लिया गया है, जो पहले के 3.70 प्रतिशत के अनुमान से कम है। राष्ट्रीय लेखा समिति (एनएसओ) की हालिया बैठक में इस संशोधन को मंजूरी मिली, जो पहले मई में चार प्रतिशत से घटाकर 3.70 प्रतिशत किया गया था। नए अनुमानों के अनुसार कृषि क्षेत्र 3.50 प्रतिशत की वृद्धि देखेगा, जबकि औद्योगिक क्षेत्र 3.34 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र 3.81 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करेगा। इन दोनों प्रमुख क्षेत्रों में पिछली अपेक्षाओं से कुछ नरमी दर्ज की गई है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष

बाजार में गिरावट के बाद म्युचुअल फंडों का इक्विटी पर बढ़ा भरोसा

म्युचुअल फंड तेजी से इक्विटी, विशेषकर लार्ज-कैप शेयरों में बढ़ा रहे हैं अपना निवेश

नई दिल्ली ।

हालिया बाजार गिरावट के बाद आकर्षक मूल्यांकन का फायदा उठाते हुए म्युचुअल फंड तेजी से इक्विटी, विशेषकर लार्ज-कैप शेयरों में अपना निवेश बढ़ा रहे हैं। यह रूझान परिसंपत्ति आवंटन और बाजार के सेंटिमेंट इंडिकेटर में स्पष्ट रूप से दिख रहा है, जो निवेशकों के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत है। शेयर बाजार में हालिया सुधार के बावजूद म्युचुअल फंडों का झुकाव इक्विटी, खासकर लार्ज-कैप शेयरों की ओर मजबूत हुआ है। एसबीआई म्युचुअल फंड

बाजार में गिरावट के बाद म्युचुअल फंडों का इक्विटी पर बढ़ा भरोसा

म्युचुअल फंड तेजी से इक्विटी, विशेषकर लार्ज-कैप शेयरों में बढ़ा रहे हैं अपना निवेश

नई दिल्ली ।

हालिया बाजार गिरावट के बाद आकर्षक मूल्यांकन का फायदा उठाते हुए म्युचुअल फंड तेजी से इक्विटी, विशेषकर लार्ज-कैप शेयरों में अपना निवेश बढ़ा रहे हैं। यह रूझान परिसंपत्ति आवंटन और बाजार के सेंटिमेंट इंडिकेटर में स्पष्ट रूप से दिख रहा है, जो निवेशकों के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत है। शेयर बाजार में हालिया सुधार के बावजूद म्युचुअल फंडों का झुकाव इक्विटी, खासकर लार्ज-कैप शेयरों की ओर मजबूत हुआ है। एसबीआई म्युचुअल फंड

निजी बैंकों में भारी बिकवाली ने बाजार को खींचा नीचे

पीएसयू बैंक ने दिखाया दम, तकनीकी स्तर पर अहम गोंड़ पर निपटी

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में सोमवार को दो सत्रों की तेजी पर ब्रेक लग गया। वैश्विक संकेतों, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और तिमाही नतीजों की चिंताओं के बीच प्रमुख सूचकांक निफ्टी 1.11 फीसदी से अधिक टूटकर 22,900 के अहम स्तर से नीचे बंद हुआ। इस तेज गिरावट ने बाजार की हालिया रिकवरी की मजबूती पर सवाल खड़े कर दिए हैं। बाजार विश्लेषकों के अनुसार सितंबर तिमाही के नतीजों से जुड़ी अनिश्चितताएं और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें गिरावट के मुख्य कारण रहीं। तकनीकी रूप से भी, निफ्टी अपने 20-दिवसीय एक्सपोनेंशियल मूविंग एवरेज (ईएमए) से नीचे फिसल गया और 38.2 फीसदी फिबोनाची रेट्रेसमेंट स्तर को पार नहीं कर पाया, जो रिकवरी की कमजोर पड़ती रफ्तार को दर्शाता है। सेक्टरवार प्रदर्शन मिला-जुला रहा। निजी बैंकों के शेयरों में भारी मुनाफावसूली देखने को मिली, जिसमें एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और एक्सिस बैंक ने बाजार पर अतिरिक्त दबाव डाला। हालांकि, सरकारी बैंकों ने विपरीत रूझान दिखाते हुए मजबूत प्रदर्शन किया। निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स करीब 2.3 फीसदी उछला, जिसमें पीएनबी और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया जैसे शेयरों में 5 फीसदी से अधिक की तेजी दर्ज की गई। ब्रॉडर मार्केट भी कमजोर रहा, मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स दोनों गिरे। तकनीकी विश्लेषकों के मुताबिक, निफ्टी के लिए 22,730-22,750 पर तत्काल मजबूत सपोर्ट है, जबकि 23,000-23,030 ऊपरी रुकावट का काम करेगा। 22,730 के नीचे निर्णायक गिरावट 22,600 तक दबाव बढ़ा सकती है, वहीं 23,030 के ऊपर टिकने से ही तेजी की रफ्तार लौट सकती है।

एसएलएमजी बेवरेजेज का पांच साल में 20,000 करोड़ के कारोबार का लक्ष्य

कंपनी का तीन-चार साल में आरंभिक सार्वजनिक निर्गम लाने का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

भारत में कोका-कोला की सबसे बड़ी बॉटलिंग कंपनी एसएलएमजी बेवरेजेज (अगले पांच सालों में अपने कारोबार को बढ़ाकर 20,000 करोड़ रुपये तक पहुंचाने की महत्वाकांक्षी योजना बना रही है। कंपनी अगले तीन से चार साल में आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयारी में है। यह जानकारी कंपनी के एक वे रिष्ठ

एसएलएमजी बेवरेजेज का पांच साल में 20,000 करोड़ के कारोबार का लक्ष्य

कंपनी का तीन-चार साल में आरंभिक सार्वजनिक निर्गम लाने का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

भारत में कोका-कोला की सबसे बड़ी बॉटलिंग कंपनी एसएलएमजी बेवरेजेज (अगले पांच सालों में अपने कारोबार को बढ़ाकर 20,000 करोड़ रुपये तक पहुंचाने की महत्वाकांक्षी योजना बना रही है। कंपनी अगले तीन से चार साल में आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयारी में है। यह जानकारी कंपनी के एक वे रिष्ठ

एसएलएमजी बेवरेजेज का पांच साल में 20,000 करोड़ के कारोबार का लक्ष्य

कंपनी का तीन-चार साल में आरंभिक सार्वजनिक निर्गम लाने का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

भारत में कोका-कोला की सबसे बड़ी बॉटलिंग कंपनी एसएलएमजी बेवरेजेज (अगले पांच सालों में अपने कारोबार को बढ़ाकर 20,000 करोड़ रुपये तक पहुंचाने की महत्वाकांक्षी योजना बना रही है। कंपनी अगले तीन से चार साल में आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयारी में है। यह जानकारी कंपनी के एक वे रिष्ठ

बाजार में गिरावट के बाद म्युचुअल फंडों का इक्विटी पर बढ़ा भरोसा

म्युचुअल फंड तेजी से इक्विटी, विशेषकर लार्ज-कैप शेयरों में बढ़ा रहे हैं अपना निवेश

नई दिल्ली ।

हालिया बाजार गिरावट के बाद आकर्षक मूल्यांकन का फायदा उठाते हुए म्युचुअल फंड तेजी से इक्विटी, विशेषकर लार्ज-कैप शेयरों में अपना निवेश बढ़ा रहे हैं। यह रूझान परिसंपत्ति आवंटन और बाजार के सेंटिमेंट इंडिकेटर में स्पष्ट रूप से दिख रहा है, जो निवेशकों के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत है। शेयर बाजार में हालिया सुधार के बावजूद म्युचुअल फंडों का झुकाव इक्विटी, खासकर लार्ज-कैप शेयरों की ओर मजबूत हुआ है। एसबीआई म्युचुअल फंड

बाजार में गिरावट के बाद म्युचुअल फंडों का इक्विटी पर बढ़ा भरोसा

म्युचुअल फंड तेजी से इक्विटी, विशेषकर लार्ज-कैप शेयरों में बढ़ा रहे हैं अपना निवेश

नई दिल्ली ।

हालिया बाजार गिरावट के बाद आकर्षक मूल्यांकन का फायदा उठाते हुए म्युचुअल फंड तेजी से इक्विटी, विशेषकर लार्ज-कैप शेयरों में अपना निवेश बढ़ा रहे हैं। यह रूझान परिसंपत्ति आवंटन और बाजार के सेंटिमेंट इंडिकेटर में स्पष्ट रूप से दिख रहा है, जो निवेशकों के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत है। शेयर बाजार में हालिया सुधार के बावजूद म्युचुअल फंडों का झुकाव इक्विटी, खासकर लार्ज-कैप शेयरों की ओर मजबूत हुआ है। एसबीआई म्युचुअल फंड

बाजार में गिरावट के बाद म्युचुअल फंडों का इक्विटी पर बढ़ा भरोसा

म्युचुअल फंड तेजी से इक्विटी, विशेषकर लार्ज-कैप शेयरों में बढ़ा रहे हैं अपना निवेश

नई दिल्ली ।

हालिया बाजार गिरावट के बाद आकर्षक मूल्यांकन का फायदा उठाते हुए म्युचुअल फंड तेजी से इक्विटी, विशेषकर लार्ज-कैप शेयरों में अपना निवेश बढ़ा रहे हैं। यह रूझान परिसंपत्ति आवंटन और बाजार के सेंटिमेंट इंडिकेटर में स्पष्ट रूप से दिख रहा है, जो निवेशकों के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत है। शेयर बाजार में हालिया सुधार के बावजूद म्युचुअल फंडों का झुकाव इक्विटी, खासकर लार्ज-कैप शेयरों की ओर मजबूत हुआ है। एसबीआई म्युचुअल फंड

पाकिस्तान ने आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान घटाकर 3.65 प्रतिशत किया

औद्योगिक व सेवा क्षेत्र में नरमी प्रमुख वजह, आर्थिक लक्ष्य से पीछे रहने का संकेत

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तान सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अपनी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को मामूली रूप से संशोधित करते हुए 3.65 प्रतिशत कर दिया है। यह फैसला औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों में आई हल्की सुस्ती के मद्देनजर लिया गया है, जो पहले के 3.70 प्रतिशत के अनुमान से कम है। राष्ट्रीय लेखा समिति (एनएसओ) की हालिया बैठक में इस संशोधन को मंजूरी मिली, जो पहले मई में चार प्रतिशत से घटाकर 3.70 प्रतिशत किया गया था। नए अनुमानों के अनुसार कृषि क्षेत्र 3.50 प्रतिशत की वृद्धि देखेगा, जबकि औद्योगिक क्षेत्र 3.34 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र 3.81 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करेगा। इन दोनों प्रमुख क्षेत्रों में पिछली अपेक्षाओं से कुछ नरमी दर्ज की गई है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष

पाकिस्तान ने आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान घटाकर 3.65 प्रतिशत किया

औद्योगिक व सेवा क्षेत्र में नरमी प्रमुख वजह, आर्थिक लक्ष्य से पीछे रहने का संकेत

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तान सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अपनी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को मामूली रूप से संशोधित करते हुए 3.65 प्रतिशत कर दिया है। यह फैसला औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों में आई हल्की सुस्ती के मद्देनजर लिया गया है, जो पहले के 3.70 प्रतिशत के अनुमान से कम है। राष्ट्रीय लेखा समिति (एनएसओ) की हालिया बैठक में इस संशोधन को मंजूरी मिली, जो पहले मई में चार प्रतिशत से घटाकर 3.70 प्रतिशत किया गया था। नए अनुमानों के अनुसार कृषि क्षेत्र 3.50 प्रतिशत की वृद्धि देखेगा, जबकि औद्योगिक क्षेत्र 3.34 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र 3.81 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करेगा। इन दोनों प्रमुख क्षेत्रों में पिछली अपेक्षाओं से कुछ नरमी दर्ज की गई है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष

वेपार

3

भारत में ऑडी ने लॉन्च की ऑडी वयू3

नई दिल्ली ।

भारतीय बाजार में ऑडी ने अपनी नई 2026 वयू3 एसयूवी लॉन्च कर दी है। यह कंपनी की तीसरी पीढ़ी की शुरुआती श्रेणी वाली लगजरी एसयूवी है, जिसे नोवा और जेनिथ नाम के दो संस्करणों में पेश किया गया है। इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 51.99 लाख रुपये रखी गई है। महाराष्ट्र स्थित छत्रपति संभाजीनगर संयंत्र में निर्मित इस एसयूवी की डिलीवरी भी शुरू हो गई है। नई वयू3 की सबसे बड़ी खासियत इसका ऑल-व्हील ड्राइव सिस्टम है, जो इसे बीएमडब्ल्यू एक्स1 और मर्सिडीज-बेंज जीएलए जैसे प्रतिद्वंद्वियों से अलग करता है, क्योंकि वे इस श्रेणी में केवल फ्रंट-व्हील ड्राइव व्यवस्था के साथ आते हैं। एसयूवी में 2.0 लीटर का डायरेक्ट-इंजेक्शन टर्बो-पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो 204 हॉर्सपावर की अधिकतम शक्ति और 320 एनएम का अधिकतम टॉर्क पैदा करता है। यह इंजन 7-स्पीड डुअल-क्लच ऑटोमैटिक गियरबॉक्स से जुड़ा है और चारों पहियों तक शक्ति पहुंचाता है। कंपनी के दावे के अनुसार, नई वयू3 केवल 7.1 सेकंड में शून्य से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ सकती है, जिसकी अधिकतम गति 229 किलोमीटर प्रति घंटा है। बाहरी डिजाइन में स्प्लिट-स्टाइल हेडलाइट्स, बड़े आकार की गिल और पीछे रोशनी वाला ऑडी लोगो शामिल हैं। केबिन के अंदर 12.8 इंच की टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट और 11.9 इंच का डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले वाली घुमावदार डिजिटल स्क्रीन मिलती है।

चॉइस एमएफ ने लॉन्च किया लार्ज एंड मिड कैप फंड

500 रुपए की एसआईपी से लार्ज और मिड कैप कंपनियों में निवेश का मौका

नई दिल्ली ।

निवेशकों को बड़ी और मझोली कंपनियों में निवेश का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से चॉइस म्युचुअल फंड ने चॉइस लार्ज एंड मिड कैप फंड लॉन्च किया है। यह एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम है जिसका न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) 20 अक्टूबर मंगलवार से शुरू हो चुका है और 3 नवंबर तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला रहेगा। यह फंड उन निवेशकों के लिए है जो बाजार पूंजीकरण के लिहाज से बड़ी और मझोली दोनों तरह की कंपनियों में निवेश करके पूंजी वृद्धि और आय अर्जित करना चाहते हैं। एनएफओ के दौरान, निवेशक न्यूनतम 1,000 रुपये से इस फंड में निवेश शुरू कर सकते हैं, जबकि सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के माध्यम से मासिक किस्तें न्यूनतम 500 रुपये से शुरू होंगी। स्कीम डायरेक्ट और रेगुलर दोनों प्लान में उपलब्ध है, जिनमें गोथ और इनकम डिस्ट्रीब्यूशन कम कैपिटल विड्रॉल (आईडीडब्ल्यूसी) विकल्प शामिल हैं। फंड मैनेजर के नेतृत्व में यह स्कीम निफ्टी लार्ज मिडकैप 250 टोटल रिटर्न इंडेक्स को बेंचमार्क करेगी। यूनिट आवंटन के दिन से एक साल के भीतर पैसा निकालने पर 1 फीसदी एगजिट लोड लागेगा। पोर्टफोलियो आवंटन की बात करें तो फंड अपनी कुल संपत्ति का 70 से

चॉइस एमएफ ने लॉन्च किया लार्ज एंड मिड कैप फंड

500 रुपए की एसआईपी से लार्ज और मिड कैप कंपनियों में निवेश का मौका

नई दिल्ली ।

निवेशकों को बड़ी और मझोली कंपनियों में निवेश का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से चॉइस म्युचुअल फंड ने चॉइस लार्ज एंड मिड कैप फंड लॉन्च किया है। यह एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम है जिसका न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) 20 अक्टूबर मंगलवार से शुरू हो चुका है और 3 नवंबर तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला रहेगा। यह फंड उन निवेशकों के लिए है जो बाजार पूंजीकरण के लिहाज से बड़ी और मझोली दोनों तरह की कंपनियों में निवेश करके पूंजी वृद्धि और आय अर्जित करना चाहते हैं। एनएफओ के दौरान, निवेशक न्यूनतम 1,000 रुपये से इस फंड में निवेश शुरू कर सकते हैं, जबकि सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के माध्यम से मासिक किस्तें न्यूनतम 500 रुपये से शुरू होंगी। स्कीम डायरेक्ट और रेगुलर दोनों प्लान में उपलब्ध है, जिनमें गोथ और इनकम डिस्ट्रीब्यूशन कम कैपिटल विड्रॉल (आईडीडब्ल्यूसी) विकल्प शामिल हैं। फंड मैनेजर के नेतृत्व में यह स्कीम निफ्टी लार्ज मिडकैप 250 टोटल रिटर्न इंडेक्स को बेंचमार्क करेगी। यूनिट आवंटन के दिन से एक साल के भीतर पैसा निकालने पर 1 फीसदी एगजिट लोड लागेगा। पोर्टफोलियो आवंटन की बात करें तो फंड अपनी कुल संपत्ति का 70 से

जस्ट डायल का मुनाफा 9.7 फीसदी घटकर 107.8 करोड़ हुआ

नई दिल्ली ।

स्थानीय खोज सेवा प्रदाता जस्ट डायल लिमिटेड को चालू वित्त वर्ष 2026-27 की जुलाई-सितंबर तिमाही में शुद्ध लाभ में गिरावट का सामना करना पड़ा है। कंपनी का एकीकृत मुनाफा सालाना आधार पर 9.73 प्रतिशत घटकर 107.8 करोड़ रुपए रह गया। यह गिरावट मुख्य रूप से परिचालन खर्च में हुई तीव्र वृद्धि के कारण हुई, जबकि कंपनी के राजस्व में वृद्धि दर्ज की गई। जस्ट डायल लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि पिछली समान तिमाही में कंपनी ने 119.44 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया था। हालांकि, समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी का परिचालन राजस्व 13.11 प्रतिशत बढ़कर 342.82 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले वर्ष 303.07 करोड़ रुपए था। इस अवधि में कंपनी का कुल खर्च भी 14.6 प्रतिशत बढ़कर 262.81 करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जिसने लाभ को प्रभावित किया। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के खुदरा कारोबार की इकाई, रिलायंस रिटेल वेंचर्स के स्वामित्व वाली जस्ट डायल की कुल आय दूसरी तिमाही में 5.6 प्रतिशत बढ़कर 397.38 करोड़ रुपए रही। सोमवार को बीएसई पर कंपनी का शेयर 2.82 प्रतिशत की बढ़त के साथ 732.55 रुपए पर बंद हुआ।

एसबीआई म्युचुअल फंड का छोटे शहरों पर फोकस

23,000 बैंक शाखाओं से जोड़ेगा नए निवेशक

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी म्युचुअल फंड कंपनी एसबीआई म्युचुअल फंड ने छोटे शहरों और बी-30 बाजारों (30 अग्रणी शहरों के बाहर के क्षेत्र) में अपनी पहुंच बढ़ाने की नई रणनीति अपनाई है। कंपनी के एक अेधिकारी ने बताया कि कंपनी अपनी मूल इकाई भारतीय स्टेट बैंक के 23,000 से अधिक शाखाओं वाले व्यापक नेटवर्क का लाभ उठाकर नए निवेशकों को जोड़ने पर विशेष ध्यान देगी। मेहता ने ऐसे समय में बिक्री विभाग की कामना सभाली है जब शेयर बाजार की चुनौतीपूर्ण स्थितियों और नई कंपनियों के प्रवेश से म्युचुअल फंड उद्योग की वृद्धि धीमी हुई है और प्रतिस्पर्धा भी तेज हुई है। उन्होंने जोर दिया कि बी-30 बाजार एसबीआई म्युचुअल फंड के लिए प्राथमिकता बने हुए हैं। कंपनी का लक्ष्य बैंक के साथ मिलकर काम करते हुए म्युचुअल फंड को जन-जन तक आसानी से पहुंचाना और उद्योग में नए ग्राहकों को जोड़ना है। एसबीआई म्युचुअल फंड छोटे शहरों में

एसबीआई म्युचुअल फंड का छोटे शहरों पर फोकस

23,000 बैंक शाखाओं से जोड़ेगा नए निवेशक

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी म्युचुअल फंड कंपनी एसबीआई म्युचुअल फंड ने छोटे शहरों और बी-30 बाजारों (30 अग्रणी शहरों के बाहर के क्षेत्र) में अपनी पहुंच बढ़ाने की नई रणनीति अपनाई है। कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि कंपनी अपनी मूल इकाई भारतीय स्टेट बैंक के 23,000 से अधिक शाखाओं वाले व्यापक नेटवर्क का लाभ उठाकर नए निवेशकों को जोड़ने पर विशेष ध्यान देगी। मेहता ने ऐसे समय में बिक्री विभाग की कामना सभाली है जब शेयर बाजार की चुनौतीपूर्ण स्थितियों और नई कंपनियों के प्रवेश से म्युचुअल फंड उद्योग की वृद्धि धीमी हुई है और प्रतिस्पर्धा भी तेज हुई है। उन्होंने जोर दिया कि बी-30 बाजार एसबीआई म्युचुअल फंड के लिए प्राथमिकता बने हुए हैं। कंपनी का लक्ष्य बैंक के साथ मिलकर काम करते हुए म्युचुअल फंड को जन-जन तक आसानी से पहुंचाना और उद्योग में नए ग्राहकों को जोड़ना है। एसबीआई म्युचुअल फंड छोटे शहरों में



ड्राइविंग के क्षेत्र में दो तरह से कैरियर बनाया जा सकता है। मसलन, आप स्वयं के व्यवसाय के स्वामी और चालक हो सकते हैं। इसके लिए आप ओला और उबर के तहत पंजीकृत कुछ टैक्सी प्राप्त करें और इस उद्योग के माध्यम से भी अच्छी कमाई करें।

कैरियर के लिए अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है ड्राइविंग

ड्राइविंग एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें कैरियर बनाने के बारे में शायद ही कोई युवा सोचता हो। यकीनन यह कोई फुल टाइम प्रोफेशन नहीं है लेकिन फिर भी अगर आप इसे एक कैरियर या व्यवसाय के रूप में देखते हैं तो इसमें भी आपके विकास की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। यह उन लोगों के लिए एक अच्छा कैरियर ऑप्शन साबित हो सकता है, जो बहुत अधिक पढ़े-लिखे नहीं हैं, लेकिन फिर भी अच्छी आमदनी करके एक बेहतर जिन्यमी जीना चाहते हैं। तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि ड्राइविंग के क्षेत्र में कैरियर बनाकर आप किस तरह अपने सपनों को पूरा कर सकते हैं-

ऐसे बनाएं कैरियर

कैरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि ड्राइविंग के क्षेत्र में दो तरह से कैरियर बनाया जा सकता है। मसलन, आप स्वयं के व्यवसाय के स्वामी और चालक हो सकते हैं। इसके लिए आप ओला और उबर के तहत पंजीकृत कुछ टैक्सी प्राप्त करें और इस उद्योग के माध्यम से भी अच्छी कमाई करें। इसके अलावा अगर आपके पास पर्याप्त पैसा नहीं है तो इस स्थिति में आप कुछ ओला व उबर आदि में बतौर कार चालक अपने कैरियर की शुरुआत कर सकते हैं।

योग्यता

यह एक ऐसा क्षेत्र नहीं है, जिसके लिए किसी खास प्रोफेशनल डिग्री की आवश्यकता हो। आपको बस एक वाणिज्यिक ड्राइविंग लाइसेंस की आवश्यकता है और फिर कई ड्राइविंग स्कूल हैं जो आपको अपने आसपास के

क्षेत्र में मिलेंगे। आप वहां से ड्राइविंग का प्रशिक्षण ले सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

अगर आप सच में अपने कैरियर को ग्रोथ देना चाहते हैं तो इसके लिए आपमें कुछ स्किल्स का होना बेहद आवश्यक है। सबसे पहले तो आपको बेहद अच्छी तरह से कार ड्राइव करनी आनी चाहिए। यह आपके कैरियर के लिए सबसे पहली और जरूरी शर्त है। इसके अलावा आप जिस शहर में हैं, वहां की सड़कों की आपको अच्छी जानकारी होनी चाहिए। वैसे इन दिनों जीपीएस के जरिए भी रास्तों के बारे में पता लगाया जा सकता है। वहीं आपमें बेहतर कम्युनिकेशन स्किल होना भी बेहद आवश्यक है। सारा दिन आपकी गाड़ी में कई कस्टमर आएंगे, आपको उनके प्रति व्यवहार कैसा होगा, इस पर काफी कुछ निर्भर करता है।

संभावनाएं

इस क्षेत्र में कैरियर ग्रोथ काफी अच्छी है। सबसे पहले तो आप ओला व उबर के अलावा कई ड्राइविंग कंपनियों में बतौर ड्राइवर काम कर सकते हैं। इसके अलावा अगर आप चाहें तो ड्राइविंग इंस्टीट्यूट में बतौर ट्रेनर भी काम कर सकते हैं और दूसरे लोगों को कार चलाना सिखा सकते हैं। इसके अलावा कुछ लोगों को पर्सनल कार ड्राइवर की जरूरत होती है, आप उनके लिए भी काम कर सकते हैं। वहीं खुद भी कार या टैक्सी लेकर उसे ड्राइव कर सकते हैं। इस तरह आप खुद ही मालिक बन सकते हैं।



एक अच्छा मिक्सोलॉजिस्ट बनने के लिए अच्छा श्रोता होना व फ्रेंडली होना बेहद आवश्यक है। इसके अलावा एक्यूरेसी, बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स, आर्गोनाइजेशन स्किल्स, एनर्जेटिक, फ्लेक्सिबिलिटी, टीमवर्क, व क्रिएटिविटी जैसे गुण आपके काम को आसान बनाते हैं।

अगर आप उनमें से हैं, जिन्हें नौ से पांच की जॉब करना अच्छा नहीं लगता। आप अपनी लाइफ में लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं तो ऐसे में मिक्सोलॉजी के क्षेत्र में अपना कैरियर देख सकते हैं। यह एक बेहद ही डिफरेंट कैरियर ऑप्शन है। एक मिक्सोलॉजिस्ट एक व्यक्ति है जो कॉकटेल और मिश्रित पेय बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के मादक पेय और अन्य सामग्री को मिलाता है। आमतौर पर लोग मिक्सोलॉजिस्ट को बारटेंडर ही समझते हैं, लेकिन इनमें अंतर है। बारटेंडर केवल बार में होते हैं और केवल पहले से मौजूद ड्रिक्स को ही बनाते हैं। जबकि मिक्सोलॉजिस्ट कई नए तरह के कॉकटेल बनाता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको इस कैरियर के बारे में बता रहे हैं-

क्या होता है काम

एक मिक्सोलॉजिस्ट का काम बारटेंडर की तुलना में अधिक विस्तृत होता है। वे कई तरह की ड्रिक्स को मिक्स करके एक नया पेय पदार्थ बनाने के अलावा, बार को आर्गोनाइज करना, कस्टमर्स को नए ड्रिक्स के बारे में बताना और उन्हें पंटरटन करना, नए पेय पदार्थों का सुझाव देना और मेन्यू में कुछ नए पेय पदार्थों को शामिल करना होता है। यह एक ऐसी

लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं तो मिक्सोलॉजी में देख सकते हैं अपना कैरियर

जॉब है, जिसमें आप हर दिन कुछ नए एक्सपेरिमेंट करते हैं और खुद को एक्सप्लोर करते हैं। हालांकि यहां पर काम के कोई निश्चित घंटे नहीं होते।

स्किल्स

कैरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि एक अच्छा मिक्सोलॉजिस्ट बनने के लिए अच्छा श्रोता होना व फ्रेंडली होना बेहद आवश्यक है। इसके अलावा एक्यूरेसी, बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स, आर्गोनाइजेशन स्किल्स, एनर्जेटिक, फ्लेक्सिबिलिटी, टीमवर्क, व क्रिएटिविटी जैसे गुण आपके काम को आसान बनाते हैं।

शैक्षणिक योग्यता

इस क्षेत्र में कैरियर बनाने के लिए किसी निश्चित डिग्री का होना आवश्यक नहीं है। आपके स्वाद की समझ ही आपको आगे लेकर जाती है। हालांकि, ज्यादातर कंपनियां ऐसे मिक्सोलॉजिस्ट को पसंद करती हैं जिनके पास बारटेंडिंग लाइसेंस होता है। उम्मीदवार किसी भी कंपनी में अल्पकालिक भुगतान प्रशिक्षण

पाठ्यक्रम में भाग लेकर प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

संभावनाएं

यकीनन यह एक अलग कैरियर क्षेत्र है, लेकिन फिर भी अगर आप अपने काम में अच्छे हैं तो आपके पास काम की कोई कमी नहीं होने वाली है। आप बार या रेस्टोरेंट के अलावा, क्लब, पब, होटल, टैवर्न आदि में बेहद आसानी से काम कर सकते हैं। इसके अलावा कुछ कंपनियां फूड एंड बेवरेज शो या फिर कई मार्केटिंग इवेंट्स में अपनी सर्विसेज देने के लिए भी मिक्सोलॉजिस्ट को हायर करती हैं। इस तरह के इवेंट्स में आप अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं।

आमदनी

एक मिक्सोलॉजिस्ट की सालाना पूरी तरह से उस क्लब / रेस्तरां / बार पर निर्भर करेगा जिस पर वह काम कर रहा है। फिर भी शुरुआती दौर में आप दो से तीन लाख रुपए सालाना आसानी से कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, लखनऊ
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कोलकाता
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, अहमदाबाद
- नेशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी, नोएडा
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, मुंबई
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट कैटरिंग टेक्नोलॉजी - एप्लाइड न्यूट्रिशन, कोलकाता
- सेंटमरी कॉलेज, बैंगलोर
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, शिमला

कैसे बनें लेखपाल? जानें योग्यता, एग्जाम पैटर्न, सैलरी व सभी जानकारी

लेखपाल राजस्व विभाग यानी रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अंतर्गत काम करते हैं। लेखपाल को कुछ राज्यों में पटवारी, पटेल, कारानाम अधिकारी, शानबोगर आदि नाम से जाना जाता है। यह एक सरकारी नौकरी है और इसमें जॉब सिक्योरिटी, पेंशन, पीएफ जैसे लाभ मिलते हैं। आजकल अधिकतर युवा सरकारी नौकरी करना चाहते हैं। लेकिन सरकारी नौकरी पाना इतना आसान नहीं है। लेकिन आज हम आपको एक ऐसी सरकारी नौकरी के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके लिए आपको ज्यादा मेहनत करने की जरूरी नहीं है। आज हम आपको बताएंगे कि आप लेखपाल कैसे बन सकते हैं - लेखपाल राजस्व विभाग यानी रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अंतर्गत काम करते हैं। लेखपाल को कुछ राज्यों में पटवारी, पटेल, कारानाम अधिकारी, शानबोगर आदि नाम से जाना जाता है। यह एक सरकारी नौकरी है और इसमें जॉब सिक्योरिटी, पेंशन, पीएफ जैसे लाभ मिलते हैं। आजकल युवाओं में इस पद की डिमांड बहुत ज्यादा है। लेखपाल बनने के लिए अभ्यर्थी को लिखित परीक्षा के साथ-साथ इंटरव्यू देना होता है। लेखपाल दो तरह के होते हैं - राजस्व लेखपाल और चकबंदी लेखपाल। राजस्व लेखपाल आवसीय और व्यावसायिक जमीन से जुड़े काम देखते हैं और राजस्व लेखपाल आवसीय और व्यावसायिक जमीन से जुड़े काम देखते हैं।

योग्यता

- आपको किसी भी स्ट्रीम से बारहवीं पास होना चाहिए।

मिनिमम परसेंटेज की कोई शर्त नहीं होती।

- उम्मीदवार के पास कम्यूटर कोर्स का सर्टिफिकेट होना जरूरी है।

आयु सीमा

लेखपाल बनने के लिए अभ्यर्थी की आयु 18 वर्ष और 40 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को नियमानुसार आयु में छूट प्रदान की जाती है।

लेखपाल बनने की परीक्षा

लेखपाल बनने के लिए लिखित परीक्षा और इंटरव्यू ये दो चरण होते हैं। लिखित परीक्षा 100 नंबर की होती है। इसके लिए 90 मिनट दिए

जाते हैं। इसमें माइनस मार्किंग नहीं होती। परीक्षा में हिन्दी, सामान्य ज्ञान, गणित और ग्राम समाज और विकास के प्रश्न पूछे जाते हैं। हर सेक्शन में 25-25 प्रश्न होते हैं। लेखपाल की परीक्षा के लिए सामान्य ज्ञान, हिंदी सामान्य गणित और सामाजिक जीवन से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं। लिखित परीक्षा में पास होने वाले अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है। लिखित परीक्षा और इंटरव्यू दोनों को मिलाकर जो भी माक्स मिलते हैं उसी के आधार पर लेखपाल को चुना जाता है।

सैलरी

एक लेखपाल की सैलरी 5200-20200 रुपए प्रतिमाह पे-ग्रेड के अनुसार होती है। लेखपाल एक क्लेरिकल पोस्ट है जो ग्रुप सी के अंतर्गत आती है।



टिफिन सर्विस का बिजनेस शुरू कर कमा सकते हैं लाखों

साफ-सफाई का खास ध्यान रहे और खाना बनाने से लेकर टिफिन डिलीवरी करने वाला व्यक्ति भी नीट और क्लीन रहे। साथ ही टिफिन बॉक्स में बेहतर क्वालिटी का हो, ताकि थाने के संदर्भ में अच्छी राय बने। टिफिन बॉक्स में खाना पैक करते समय इधर-उधर नहीं गिरना चाहिए।

कोरोनावयरस अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है और इस दौर में कई जमे जमाए बिजनेस और दूसरे प्रोफेशनलों की कमर टूट चुकी है। कई लोगों की इस आपदा में नौकरी गई है तो कई लोगों का बिजनेस चौपट हुआ है। सबसे अधिक असर पड़ने वाली इंडस्ट्रीज में, फूड इंडस्ट्री पर निश्चित रूप से बड़ा असर पड़ा है। होटल, ढाबे जहां पर लोग इकट्ठे होकर खाना खाते थे, वहां बिजनेस जबरदस्त ढंग से प्रभावित हुआ है। पर लोगों की खाना खाने की जरूरत तो कम नहीं हुई है, ऐसे में कई जगहों पर सुरक्षित टिफिन सर्विस एक बेहतर विकल्प के रूप में सामने आ सकता है। आइए देखते हैं इसकी कहां कहां और किस प्रकार उपयोगिता है और आप इसके जरिए किस प्रकार शुरुआत कर सकते हैं और किस प्रकार कमाई कर सकते हैं।

कारोबार को समझना जरूरी

ध्यान रखने वाली बात यह है कि बिजनेस चाहे कोई भी हो, किंतु उसे समझना वसे प्रबंधित करने का ढंग आपको वास्तविक रूप से उसका फायदा दिलाता है। अगर आप किसी बिजनेस को ठीक ढंग से मैनेज कर पाते हैं तो भारी मुनाफा और अच्छी क्रेडिबिलिटी हासिल कर सकते हैं। आखिर यू ही तो आईआईएम से बड़े संस्थानों से निकले लोग सब्जी बेचकर या कोई छोटा मोटा रोजगार करके, या फिर खेती करके लाखों नहीं कमाते हैं? उनके कमाने के उदाहरणों से प्रबंधन के गुणों को सीखना जरूरी है। कारोबार को प्रबंधित करने से पहले कारोबार को समझना और ग्राउंड वर्क करना जरूरी है। आप जिस भी क्षेत्र में रहते हों, आस पास अगर कोई टिफिन सर्विस चलती है तो उसके पास खुद एक ग्राहक बनकर जाएं और देखें कि वहां पर किस प्रकार से आपको टिफिन दी जाती है, उसके रेट क्या है, सब्जी इत्यादि की वैरायटी क्या है, अलग-अलग दिनों में वेज और नॉनवेज का कॉम्बिनेशन क्या है? इतना ही नहीं, खाने की क्वालिटी कैसी है, डिलीवरी की टाइमिंग इत्यादि किस प्रकार से मैनेज किया जाता है, इन सब बातों को जब एक ग्राहक के तौर पर समझने की कोशिश करेंगे, तो आपको इसकी बारीकियां समझ आ जायेंगी।

कस्टमर मैनेजमेंट और मार्केटिंग

यह एक बेहद महत्वपूर्ण फैक्टर है। जब आप एक कारोबार को समझ लेते हैं और ग्राउंड वर्क कर लेते हैं तो आपके सामने बड़ी चुनौती आती है कि कस्टमर आप किस प्रकार से ढूँढ़ें? तो इसके लिए आपको एडवर्टाइजमेंट करना पड़ेगा। इसके लिए आप खुद केनवा जैसी ऑनलाइन सर्विस का प्रयोग करके अपनी टिफिन सर्विस का बैनर बना लें और व्हाट्सएप पर शेयर करें, खासकर उन कोटवट में, जिस एरिया में आप बिजनेस करना चाहते हैं। शुरुआत में अगर आप के

जानकार और आपके परिचित पहले ग्राहक बनते हैं, तो यह सबसे उत्तम होगा। एक तो ऑनरेडी वह आपको जानते हैं और दूसरे शुरु में विश्वास बनाने में आपको आसानी हो जाएगी। यह कार्य व्हाट्सएप पर आप आसानी से कर लेंगे, किंतु सिर्फ जानकारी में आप यह कार्य बढ़ा नहीं पाएंगे। कारोबार बढ़ाने के लिए आपको पंपलेट छपवाने पड़ेंगे और आसपास के एरिया में डिस्ट्रीब्यूटर करना पड़ेगा। वह हॉस्टल हो सकता है, कंपनी हो सकती है, या कोई लोकलटी हो सकती है। कस्टमर जब आपके बनने लगे, तो उसको प्रबंधित करने में और क्वालिटी देने में आप चूक ना करें। ध्यान रखें, यह 21वीं सदी है और यहां पर जितनी बेहतरीन क्वालिटी और सर्विस आप देंगे, आपके ग्राहक की संभावना उतनी ही अधिक होगी। कम लागत के लिए पहले एकाध कस्टमर से ही शुरु करें, और अनुभव के साथ महीने बाद कारोबार को गति दें।

ध्यान रहे कि यह बिजनेस ना केवल शहर में, बल्कि छोटे-छोटे कस्बों और यहां तक कि गांव तक में चलने लगा है। गांव में कई घरों में बुजुर्ग व्यक्ति होते हैं, जो अकेले होते हैं। उनके बच्चे दूर शहरों में रोजी रोटी के लिए गए होते हैं, तो उनके लिए भी यह बेहद उपयोगी सर्विस है। ऐसे में निश्चित रूप से आपको इससे पुण्य और पैसा दोनों मिल सकता है।

कुछ महत्वपूर्ण बातें

- साफ-सफाई का खास ध्यान रहे और खाना बनाने से लेकर टिफिन डिलीवरी करने वाला व्यक्ति भी नीट और क्लीन रहे। साथ ही टिफिन बॉक्स में बेहतर क्वालिटी का हो, ताकि थाने के संदर्भ में अच्छी राय बने। टिफिन बॉक्स में खाना पैक करते समय इधर-उधर नहीं गिरना चाहिए।
- मेन्यू अपडेट करते रहें। साथ ही ध्यान रखें कि स्वाद के चक्कर में ऐसा नहीं होना चाहिए कि कस्टमर के हेल्थ से समझौता हो जाए। कल्पना करें कि अगर कोई खाना खाने के बाद कस्टमर का पेट खराब हो जाता है या उसे अन हेल्दी फील होता है तो आप अपने ग्राहक खो देंगे। हा! स्वाद के लिए अपने मेन्यू में आप कोई मिठाई या दूसरी चीजें अपडेट करते रह सकते हैं।
- कस्टमर के फीडबैक के आधार पर किसी दिन उसकी पसंद का मेन्यू जरूर बना सकते हैं। त्योहार इत्यादि के दिन पूरी या ऐसी दूसरी लोकल डिश कस्टमर को टेस्ट करा सकते हैं, पर यह कस्टमर के फीडबैक के आधार पर ही होना चाहिए।
- समय का पालन बहुत जरूरी है। अगर सुबह ब्रेकफास्ट 8:00 बजे पहुंचाते हैं, तो यह किसी हालत में 8 से लेट नहीं होना चाहिए, बहुत पहले भी नहीं होना चाहिए। समय पर डिलीवरी आपके बारे में एक बेहतरीन राय कायम करेगी। अगर किसी कारण वश देरी होने की सम्भावना है तो व्हाट्सएप या कॉल पर कस्टमर को अपडेट जरूर करें।

ऑस्ट्रेलियाई सांसद हेलेन हेन्स पर जानलेवा हमला: कार से कुचलने के बाद एक पैर काटना पड़ा

मेलबर्न,एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की निर्दलीय सांसद हेलेन हेंस पर उनके चुनाव कार्यालय के बाहर जानलेवा हमला हुआ है। विक्टोरिया राज्य के वांगारारा शहर में एक कार चालक ने जानबूझकर उन्हें दो बार कुचला, जिससे उनके दोनों पैरों में गंभीर चोटें आईं। 165 वर्षीय सांसद की आपातकालीन सर्जरी की गई, जिसमें उनका एक पैर काटना पड़ा, जबकि दूसरे पैर को बचाने का प्रयास जारी है।। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक टोयोटा लैंडक्रूजर कार ने पहले हेन्स को टक्कर मारी, फिर यू-टर्न लेकर उन्हें दोबारा कुचला और अपनी कार के साथ दबा दिया। घटना के बाद उन्हें हेलीकॉप्टर से मेलबर्न के अल्फ्रेड अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों की टीम उनकी हालत पर नजर रख रही है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने जानबूझकर किया गया हमला बताया है, यह कहकर कि यह सामान्य दुर्घटना नहीं लगती। पुलिस ने घटनास्थल से 43 वर्षीय ब्रेंडन नूजंट को गिरफ्तार किया है, जिसके पास से चाकू भी बरामद हुआ है। हालांकि, हमले के पीछे का मकसद अभी स्पष्ट नहीं है और पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।

आरोपी के परिवार ने घटना पर दुख जताकर कहा कि हेन्स उनके 20 वर्षों से अधिक समय से मित्र रही हैं। उन्होंने ब्रेंडन के पिछले कुछ महीनों से अजीब बर्ताव को लेकर चिंता जाहिर की थी। यह घटना ऑस्ट्रेलिया में जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा को लेकर नई चिंताएं बढ़ा रही है। हेलेन हेन्स 2019 से संघीय संसद में इंडी निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रही हैं और अपने स्थानीय मुद्दों को उठाने के लिए जानी जाती हैं। पुलिस फिलहाल एक अलग-थलवा घटना मान रही है और व्यापक समुदाय के लिए किसी अतिरिक्त खतरे की सूचना नहीं है।

सऊदी और धार्मिक स्थलों की रक्षा के लिए पाकिस्तान हर जरूरी मदद देता रहेगा: चौधरी

–गठबंधन का मकसद किसी देश पर हमला करना नहीं है, यह रक्षात्मक गठबंधन है इस्लामाबाद, एजेंसी। यमन के हूती विद्रोहियों के बढ़ते हमलों के बीच पाकिस्तान ने सऊदी अरब की सुरक्षा को लेकर पाक सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि सऊदी अरब की संप्रभुता, उसकी क्षेत्रीय अखंडता और वहां के धार्मिक स्थलों की रक्षा के लिए पाकिस्तान हर जरूरी मदद दे रहा है और आगे भी देता रहेगा। पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता लैफ्टिनेंट



जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने एक इंटरव्यू में यह बात कही। उन्होंने जोर देकर कहा कि सऊदी अरब की सुरक्षा और इस्लाम के दो पवित्र मस्जिदों की रक्षा पाकिस्तान के लिए सबसे ज्यादा अहम है और इस मामले में कोई समझौता नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि पाकिस्तान, यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार की और से प्रत्यक्ष सैन्य सहायता के किसी भी अनुरोध पर 'विचार' कर सकता है, जिसका अर्थ है कि पाकिस्तानी सेना अब सीधे हथियारों से लड़ने का विकल्प खुला रख रही है। रिपोर्ट के मुताबिक लैफ्टिनेंट जनरल चौधरी ने हथियारों के हमलों पर पाकिस्तान की प्रतिक्रिया को 'गुस्से' वाली बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सऊदी अरब और वहां के धार्मिक स्थलों की सुरक्षा के मामले में कोई सवाल या समझौते की गूँझाइश नहीं है। पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किया ने अमस्त में एक संयुक्त रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते के तहत तीन देशों में से किसी एक पर हमला होने को बाकी सदस्यों पर भी हमला माना जाएगा। हालांकि, पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता ने साफ किया कि इस गठबंधन का मकसद किसी देश पर हमला करना नहीं है, बल्कि यह पूरी तरह रक्षात्मक गठबंधन है।

पुतिन ने दिया ट्रंप-जिनपिंग के साथ बैठक का प्रस्ताव, जैलेंस्की को नहीं बुलाया

-यह बैठक 18-19 नवंबर को चीन के शेनझेन में एपीईसी समेलन में हो सकती है

मास्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ एक त्रिपक्षीय बैठक का प्रस्ताव दिया है, जिस पर डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी सहमति जताई है। सूत्रों के मुताबिक यह बैठक अगले महीने 18 और 19 नवंबर को चीन के शेनझेन शहर में होने वाले एशिया-पैसिफिक इकोनॉमिक कोऑपरेशन (एपीईसी) शिखर सम्मेलन के दौरान हो सकती है। इस संभावित बैठक की सबसे खास बात यह है कि इसमें यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेन्स्की को शामिल करने की कोई योजना नहीं है।

इस बैठक पर अभी तक कोई अंतिम सहमति नहीं बनी है और चीन ने अमेरिकी अधिकारियों से इस प्रस्ताव को लेकर जानकारी मांगी है। यदि तीनों नेताओं की मुलाकात होती है, तो इसमें यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के तरीकों पर चर्चा हो सकती है। अमेरिकी विदेश मंत्री



मार्को रूबियो ने 19 अक्टूबर को पुष्टि की कि बैठक को लेकर बातचीत हुई है, लेकिन कोई फैसला नहीं लिया गया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप युद्ध समाप्त करने के हर संभव रास्ते पर विचार करने को तैयार हैं। ट्रंप ने स्वयं भी पुतिन और जिनपिंग से जैलेंस्की के बिना मिलने की इच्छा व्यक्त की है, हालांकि उन्होंने बैकउ होने की पुष्टि नहीं की। वहीं, क्रेमलिन के प्रवक्ता ने इस विचार को शुरुआती

स्तर का बताया जबकि चीन के विदेश मंत्रालय ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। यह प्रस्ताव ऐसे समय आया है जब रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष जारी है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेन्स्की ने आरोप लगाया है कि अमेरिका ने उन्हें जानकारी दिए बिना यूक्रेन की स्टारलिक इंटरनेट सेवा पर पारबर्दियां लगाई हैं, जो यूक्रेनी सेना के लिए अहम है। यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्रो सिबिहा ने रूस,

अमेरिका और चीन के बीच संभावित बैठक पर आपत्ति जताई है। उनका मानना है कि यूक्रेन को बातचीत से बाहर रखना रूस को युद्ध जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करेगा। ट्रंप ने जेलेन्स्की पर युद्ध समाप्त करने में रुचि न दिखाने का भी आरोप लगाया है। इस मुलाकात से यूरोपीय देशों के साथ उसके संबंधों पर भी असर पड़ सकता है, क्योंकि वे यूक्रेन का समर्थन करते हैं।

कोरियाई सीमा पर बढ़ा सैन्य तनाव: प्योंगयांग की धमकी पर सोल का सख्त जवाब

सियोल, एजेंसी। कोरियाई प्रायद्वीप में सैन्य तनाव चरम पर है। उत्तर कोरिया द्वारा दक्षिणी सीमा के पास और अधिक हथियार तैनात करने और प्रचार अभियान फिर से शुरू करने की धमकी के बाद, दक्षिण कोरिया ने अपने सैनिकों को दुश्मन की किसी भी उकसावे वाली कार्रवाई का करारा जवाब देने का आदेश दे दिया है। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ (जेसीएस) के अध्यक्ष जनरल जिन योंग-सुंग ने अग्रिम मोर्चे पर स्थित एक सैन्य इकाई का दौरा कर निंदेश जारी किए। उन्होंने उत्तर कोरिया पर सीमा पर बढ़ते तनाव की जिम्मेदारी दक्षिण कोरियाई सेना पर डालने का आरोप लगाकर कहा कि दक्षिण कोरिया के वैध सैन्य अभियानों को उकसावे की कार्रवाई बताना बिल्कुल अस्वीकार्य है। रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की प्रभावशाली बहन किम यो जोंग ने कहा था कि प्योंगयांग दक्षिण कोरिया के खिलाफ सीमा पर प्रचार अभियान



दोबारा शुरू करने और अधिक सामरिक हमलावर हथियार तैनात करने पर विचार कर रहा है। उन्होंने सीमा की स्थिति को बेहद अस्थिर बताया और उलटा दक्षिण कोरियाई सेना पर उत्तर कोरियाई सैनिकों के लिए खतरा पैदा करने का आरोप लगाया। यह विवाद 21 सितंबर को सीमा के पास हुए एक बारूदी सुरंग विस्फोट के

बाद और बढ़ गया था, जिसमें दक्षिण कोरिया के तीन सैनिक घायल हो गए थे। सोल ने आरोप लगाया था कि उत्तर कोरिया ने दक्षिणी हिस्से में बारूदी सुरंगें बिछाई थीं, हालांकि प्योंगयांग ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। दक्षिण कोरियाई सेना के मुताबिक, इस साल उत्तर कोरियाई सैनिकों ने सीमा पर किलेबंदी का काम करते हुए सैन्य

सीमांकन रेखा का करीब 50 बार उल्लंघन किया है। दक्षिण कोरिया ने इन घटनाओं के जवाब में चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाई और लाउडस्पीकर से संदेश प्रसारित किए, जिन्हें किम यो जोंग ने उकसावे वाला बताया और जवाबी कदम उठाने की बात कही। दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने उत्तर कोरिया की धमकियों पर गंभीर चिंता व्यक्त की। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि सैन्य सीमांकन रेखा के पास चेतावनी वाले प्रसारण और गोलियां चलाना उत्तर कोरियाई सैनिकों को सीमा पार करने से रोकने के लिए वैध रक्षात्मक उपाय हैं। मंत्रालय ने कड़ी चेतावनी दी कि यदि उत्तर कोरिया इन कदमों को आगे किसी उकसावे की कार्रवाई का बहाना बनाता है, तो उसे निर्णायक जवाब दिया जाएगा। साथ ही, प्योंगयांग से सीमा उल्लंघन रोकने और तनाव कम करने के लिए बातचीत के प्रयासों का जवाब देने की अपील भी की गई।

तेल अवीव मार्ग की फ्लाइट में बम की धमकी से हड़कंप, बुल्गारिया में कराई गई आपात लैंडिंग

तेल अवीव, एजेंसी। तेल अवीव से वियना जा रही ऑस्ट्रियन एयरलाइन्स की एक फ्लाइट में उस समय हड़कंप मच गया जब उड़ान के दौरान उसमें बम होने की सूचना मिली। इस खबर के बाद आनन-फानन में विमान को बुल्गारिया की राजधानी सोफिया में आपातकालीन स्थिति में उतारा गया। विमान में कुल 51 यात्री और 6 क्रू मेंबर्स सहित कुल 57 लोग सवार थे, जिन्हें सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। जानकारी के अनुसार, ऑस्ट्रियन एयरलाइन्स का यह एयरबस ए320 विमान तेल अवीव से वियना के लिए उड़ान भर रहा था। रोमानियाई सीमा के पास पहुंचने पर विमान के क्रू को बम की धमकी की सूचना मिली।

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका का अलर्ट, 11 देशों में नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह

वॉशिंगटन, एजेंसी। मध्य पूर्व में बढ़ते क्षेत्रीय तनाव के बीच अमेरिका ने 11 देशों और क्षेत्रों में अपने नागरिकों के लिए सुरक्षा अलर्ट जारी कर दिया है। अमेरिकी राजनयिक मिशनों ने नागरिकों को सतर्क रहने और सुरक्षा परिस्थितियों में अचानक बदलाव के लिए तैयार रहने की सलाह दी है। चेतावनी में हवाई क्षेत्र बंद होने, उड़ानें रद्द होने और यात्रा योजनाओं में बाधा आने की आशंका जाहिर की गई है। अमेरिकी अधिकारियों ने ईरान और उसके समर्थन वाले हथी समूहों से जुड़े सुरक्षा जोखिमों का भी उल्लेख किया है।

अमेरिका ने सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), कुवैत, जॉर्डन, बहरीन, ओमान, कतर, इराक, लेबनान, यमन और इजरायल में अपने नागरिकों को सतर्क रहने को कह दिया है। अमेरिकी मिशनों के अनुसार, क्षेत्र में तनाव बढ़ने पर अमेरिकी हितों, कंपनियों और संस्थानों को टारगेट करने का खतरा हो सकता है। हालांकि, अलर्ट का मतलब यह नहीं है कि सभी संबंधित देशों में हवाई अड्डे बंद हो गए हैं या उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। यात्रियों को अपनी यात्रा से पहले स्थिति की पुष्टि करने की सलाह दी गई है।

अमेरिकी अधिकारियों ने नागरिकों से कहा है कि वे अपनी उड़ानों की जानकारी संबंधित एयरलाइन और हवाई अड्डे से सीधे प्राप्त करें। इराक में बगदाद, इरबिल, बसरा और सुलेमानिया हवाई अड्डों की स्थिति जांचने को कहा गया है। वहीं, लेबनान में बेरुत स्थित रफीक हरीरी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से ताजा जानकारी लेने की सलाह दी गई है। क्षेत्रीय तनाव के कारण उड़ानों के समय में बदलाव या अचानक रद्द होने की आशंका को देखते हुए यात्रियों को वैकल्पिक योजनाएं तैयार रखने के लिए भी कहा गया है। अमेरिकी

चेतावनियों में सऊदी अरब पर हूती समूहों के संभावित हमलों और नागरिक हवाई अड्डों सहित महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बनाए जाने के जोखिम का उल्लेख किया गया है। ईरान के लिए अमेरिकी वचुअल दूतावास ने अपने नागरिकों को वहां यात्रा नहीं करने और पहले से मौजूद अमेरिकी नागरिकों को देश छोड़ने की सलाह देकर कहा है।

नागरिकों को क्या सावधानी बरतनी चाहिए?

अमेरिकी मिशनों ने नागरिकों को प्रदर्शन और भीड़भाड़ वाले इलाकों से दूर रहने, लोकल

समाचारों पर नजर रखने और प्रशासन के निर्देशों का पालन करने को कहा है। फोन चार्ज रखने तथा अमेरिकी संस्थानों के आसपास अतिरिक्त सतर्कता बरतने की सलाह भी दी गई है। इसके अलावा, नागरिकों को अमेरिकी विदेश मंत्रालय के स्मार्ट ट्रैवलर एनरोलमेंट प्रोग्राम (एसटीईपी) में पंजीकरण करने को कहा गया है, ताकि उन्हें सुरक्षा से जुड़े ताजा अपडेट मिल सकें। यमन में गंभीर सुरक्षा जोखिमों के कारण अमेरिकी नागरिकों के लिए आपातकालीन सहायता सीमित हो सकती है।

यूरोप के 6 देशों में महंगाई, बेरोजगारी और महंगी शिक्षा के खिलाफ प्रदर्शन

फ्रांस में आगजनी-लूटपाट

न्यूयॉर्क, एजेंसी। यूरोप के छह देशों में महंगाई, बेरोजगारी, महंगी शिक्षा और आवास संकट के खिलाफ विरोध प्रदर्शन तेज हो गए हैं। फ्रांस, इटली, स्पेन, ग्रीस, बेल्जियम और अल्बानिया में लोगों ने सड़कों पर उत्तरकर सरकारों की नीतियों के खिलाफ नाराजगी जाहिर की है। कई जगह प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़पें हुईं। फ्रांस में राजधानी सहित कई शहरों में आगजनी और लूटपाट की घटनाएं सामने आईं, जबकि ग्रीस में छात्र हॉस्टल की कमी और महंगे किराए के विरोध में संसद के बाहर धरने पर बैठ गए। फ्रांस में 17 अक्टूबर को करीब 140 शहरों में प्रदर्शन हुए। रिपोर्ट के मुताबिक, कबिब आठ लाख लोग सड़कों पर उतरे। पेरिस, मार्सेई और बोर्डों में तोड़फोड़ और लूटपाट की घटनाएं हुईं। लीमोज में ऐतिहासिक सिटी हॉल में आग लगने की खबर सामने आई। 18 अक्टूबर तक करीब 1,800 लोगों को गिरफ्तार करने और 500 से अधिक सुरक्षाकर्मियों तथा दमकलकर्मियों के घायल

होने की जानकारी दी गई। राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों और प्रधानमंत्री सेबास्टियन लेकोर्नू ने हिंसा की निंदा की। वहीं एक और यूरोपिय देश अल्बानिया की राजधानी तिराना में प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री एदी रामा के इस्तीफे की मांग की। महंगी शिक्षा, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के खिलाफ शुरू हुआ आंदोलन 17 अक्टूबर को हिंसक हुआ। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पत्थर और पेट्रोल बम फेंक दिए। इस दौरान कुछ सरकारी कार्यालयों और इमारतों को नुकसान पहुंचा। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस और पानी की बौछारें का इस्तेमाल किया।

इटली और स्पेन में महंगाई व आवास संकट बढ़ा मुद्दा - इटली में छात्रों और कर्मचारियों ने महंगाई, कम वेतन और शैक्षणिक सुविधाओं की कमी के खिलाफ प्रदर्शन किया। मिलान में आंदोलन के दौरान तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाएं हुईं। प्रधानमंत्री जोर्जिया मेलोनी ने हिंसा की कड़ी निंदा की। पीएम मेलोनी ने

प्रदर्शनकारियों से संयम बरताने की अपील की है। वहीं, स्पेन के 50 से अधिक शहरों में लोगों ने बढ़ते किराए और बेदखली के खिलाफ आवाज बुलंद की है। प्रदर्शनकारियों ने किराया कम करने और किरायेदारों के अधिकारों को मजबूत करने की मांग की। ग्रीस की राजधानी अथेंस में छात्र सस्ते हॉस्टल, आर्थिक सहायता और बेहतर शैक्षणिक सुविधाओं की मांग को लेकर संसद के बाहर तंबू लगाकर बैठे हैं। छात्रों का कहना है कि महंगे किराए और सीमित आवास सुविधाओं के कारण पढ़ाई जारी रखना मुश्किल होता जा रहा है। बेल्जियम में सरकारी नीतियों का विरोध - वहीं बेल्जियम में ट्यू यूनिवर्सिटी और छात्रों ने सरकारी खर्च में कटौती, शिक्षा सुधार और वेतन संबंधी नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन किया। कुछ स्थानों पर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव की स्थिति बनी। इन प्रदर्शनों में महंगाई, बेरोजगारी, महंगी शिक्षा और आवास संकट प्रमुख मुद्दे बनकर उभरे हैं।

बांग्लादेश लौटेंगी हसीना, बोलीं-मौत आए तो मेरे माता-पिता की मिट्टी पर



ढाका,, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और अवामी लीग की प्रमुख शेख हसीना ने दिसंबर में अपने देश लौटने के अपने अटल संकल्प को दोहराया है, भले ही इसके लिए उन्हें गिरफ्तारी, प्रताड़ना या मौत का जोखिम उठाना पड़े। वाशिंगटन डीसी में एक कार्यक्रम में ऑनलाइन शामिल होते हुए, 79 वर्षीय हसीना ने बेबाकी से कहा, मैं दिसंबर में बांग्लादेश वापस जाऊंगी। मुझे पता है कि वे मुझे मार सकते हैं, गिरफ्तार कर सकते हैं और प्रताड़ित कर सकते हैं, लेकिन मुझे डर नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वहां जाना उनकी जिम्मेदारी है।

इटली में हिंसक प्रदर्शन जारी, पीएम मेलोनी ने बुलाई आपात बैठक

270 प्रदर्शनकारियों को लिया हिरासत में, भारतीयों के लिए एडवाइजरी जारी

रोम, एजेंसी। फ्रांस के बाद इटली में बढ़ती महंगाई, महंगी होती रोजमर्रा की जरूरतों और सार्वजनिक सेवाओं की बदहाली के खिलाफ हो रहे प्रदर्शनों ने हिंसक रूप ले लिया है। मिलान समेत कई शहरों में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़पें, दुकानों में लूटपाट और सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने की घटनाओं के बाद प्रधानमंत्री जोर्जिया मेलोनी ने सोमवार को सार्वजनिक व्यवस्था की स्थिति पर हाइलेवल बैटक की। इटली की पीएम जोर्जिया मेलोनी ने मिलान में हुई हिंसा पर आपात बैठक बुलाई। मिलान में दुकानों में तोड़फोड़ और लूटपाट की घटनाओं के बाद कम से कम 270 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया है, जिनमें अधिकतर नाबालिग बताए जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक, हिरासत में लिए गए लोगों में से 32 को गिरफ्तार किया गया। इनमें 23 नाबालिग और 13 विदेशी नागरिक शामिल हैं। इसके अलावा 28 लोगों के खिलाफ न्यायिक अधिकारियों को रिपोर्ट भेजी गई है। मिलान के शहर के केंद्र में सैकड़ों नकाबपोश प्रदर्शनकारियों ने कूड़ेदानों में आग लगा दी और

दुकानों में लूटपाट की। हालात को नियंत्रित करने के लिए दंगा-रोधी उपकरणों से लैस पुलिस ने आंसू गैस और पानी की बौछारें का इस्तेमाल किया। इस बीच इटली में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए भारतीय दूतावास ने एडवाइजरी जारी की है। इसमें भारतीयों को सतर्क रहने, भीड़भाड़ वाले इलाकों और प्रदर्शन स्थलों से दूर रहने की सलाह दी गई है। आपात स्थिति में भारतीय नागरिक के लिए +39 331 614 2085- भारत का महावाणिज्य दूतावास, मिलान- +39 3881647527। एडवाइजरी में कहा गया है कि किसी भी आपात स्थिति में भारतीय नागरिक संबंधित भारतीय मिशन से संपर्क करें और स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करें। बता दें इटली में यह प्रदर्शन लगातार दूसरे दिन हुए इससे पहले शनिवार को मिलान, बोलेरन्या, ब्रेसिया, बर्गामो और ट्यूरिन समेत उत्तरी इटली के कई शहरों में प्रदर्शन हुए थे। पुलिस की रिपोर्ट के मुताबिक शनिवार की हिंसा के सिलसिले में 28 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया था।

पश्चिमबंगाल:भगदड़में गलतआंकड़ेफैलानेपर एक गिर तार

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में मंगलवार को वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पश्चिम बंगाल पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने कुर्चबिहार जिले से एनूल हक को गिरफ्तार किया है।उस पर उत्तर कोलकाता के चोरबागान दुर्गा पूजा पंडाल में 3 दिन पहले हुई भगदड़ में मरने वालों की संख्या को लेकर सोशल मीडिया पर गलत जानकारी फैलाने का आरोप है। शनिवार शाम हुई भगदड़ में 19 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 25 अन्य घायल हो गए थे। एनूल हक ने दावा किया था कि हादसे में 60 लोग मारे गए हैं, जबकि आधिकारिक आंकड़ा 19 मौतों का था। राज्य सरकार के अधिकारी ने बताया कि एनूल को सोमवार को उसके घर से हिरासत में लिया गया।उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य में कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं करेगा और सोशल मीडिया पर झूठी सूचनाओं के प्रसार पर भी चिंता व्यक्त की।

दिल्ली-मुंबईएसप्रेसवे पर भीषण सड़क हादसा: पीएसआईसमेत तीनयुवकों कीमौत,कार के उड़ेपरखच्चे

भरुच । भरुच के पास दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर एक भीषण सड़क हादसे में पुलिस सब-इंस्पेक्टर (पीएसआई) यश पटेल समेत तीन युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा मनुबर गांव के पास उस समय हुआ, जब वडोदरा से भरुच की ओर जा रही एक कार आगे चल रहे ट्रेंपो से जोरदार तरीके से टकरा गई। टकरा इतनी भीषण थी कि कार के घरखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कार में कुल चार लोग सवार थे। कार दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर मनुबर गांव के पास पहुंची, तभी वह आगे चल रहे ट्रेंपो से टकरा गई। टकर के कारण कार लुगी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार बुरी गंभीर रूप से प्रभावित हुए। इस दर्दनाक हादसे में वडोदरा में पीएसआई के पद पर तैनात यश पटेल, पार्थ पटेल और असफाक मोमिन की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं, कार में सवार चौथे व्यक्ति के घायल होने की जानकारी सामने आई है। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और राहत दल घटनास्थल पर पहुंचे। टीम ने क्षतिग्रस्त कार से लोगों को बाहर निकालने और राहत कार्य शुरू करने की कार्रवाई की। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इस हादसे ने एक बार फिर तेज रफ्तार और हाईवे पर सड़क सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, दुर्घटना के सटीक कारणों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

दिल्लीमें कॉंक्रोच के पुतला दहनपर विवाद, एडवोकेट बलराज मलिक का विरोध

नई दिल्ली । दिल्ली के पीतमपुरा में श्री केशव रामलीला समिति द्वारा दशहरे पर रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों के साथ 30 फुट ऊंचे कॉंक्रोच के पुतल के दहन की घोषणा पर विवाद छिड़ गया है। इस मामले मे एडवोकेट बलराज मलिक के विरोध किया है। समिति के अध्यक्ष एवं भाजपा विधायक अशोक गोयल के अनुसार, कॉंक्रोच का पुतला गंदगी और अस्वच्छता का प्रतीक है। इसका उद्देश्य स्वच्छ भारत और स्वच्छ दिल्ली का संदेश देना, समाज में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। वहीं बलराज मधोक ने कॉंक्रोच को आम जनता का प्रतीक बताया है। सारे देश में कॉंक्रोच जनता पार्टी का आंदोलन चल रहा है। आयोजकों की इस पहल के पीछे आयोजकों की राजनीतिक मंशा बताया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि कॉंक्रोच का पुतला जलाया गया तो वह रामलीला समिति के जो आयोजक हैं उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे और इस तरह के कृत्य का विरोध करेंगे।

यूपी विधानसभा चुनाव: भाजपा राजा भैया को साधने की जुगत में? हिंदुत्व और हिंदू हितों के समर्थन में बयान दे रहे राजा भैया

लखनऊ, एंजेसी । देश के सबसे बड़े राज्य उत्तरप्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले एक महत्वपूर्ण राजनैतिक घटनाक्रम ने तहत भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने जनसत्ता दल के अध्यक्ष रघुनाथ प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया के लखनऊ स्थित आवास रामायण पर अचानक मुलाकात की। इस राजनैतिक बैठक ने नए सियासी समीकरणों और अटकलों को जन्म दे दिया है, खासकर आगामी विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) चुनावों और 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा और राजा भैया के बीच बढ़ती संभावित नजदीकियों को लेकर सियासी गलियारों में चर्चा शुरू हुई है। इस मुलाकात की तात्कालिक वजह 11 सीटों पर हो रहे विधान परिषद सदस्य चुनाव को माना जा रहा है, जहां भाजपा को कुछ सीटों पर कड़ी टक्कर मिलने की खबरें हैं। इसके बाद राजनीतिक दलों और प्रभावशाली नेताओं के समर्थन की संभावनाएं अहम होती हैं। राजा

मनरेगा की जगह वीबी-जी राम जी: सामाजिक सुरक्षा पर सर्जिकल स्ट्राइक -कांग्रेस का आरोप- कई ग्रामीणों को महीनों से कोई काम नहीं मिला

नई दिल्ली, एंजेसी। कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम (वीबी-जी राम जी) से बदलने के कदम को गंभीर भारत के सामाजिक सुरक्षा तंत्र पर एक सर्जिकल स्ट्राइक बताया है। कांग्रेस नेता और राज्यसभा में सांसद जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि यह बदलाव ग्रामीण मजदूरों को मिलने वाले आवश्यक सहारे को कमजोर कर देगा। सोशल मीडिया पोस्ट में कांग्रेस नेता रमेश ने महाराष्ट्र की गंभीर स्थिति का हवाला दिया, जहां बीड सहित कई जिलों में बीते एक दशक का सबसे भीषण सूखा पड़ा है। उन्होंने रेखांकित किया कि इस तरह के बेहद चुनौतीपूर्ण समय में, मनरेगा ग्रामीण आबादी के लिए जीवनरेखा और सुरक्षा की गारंटी प्रदान करता था। लेकिन, इस प्रतिष्ठित योजना को वीबी-जी राम जी से बदलना, ग्रामीण भारत को एक महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच से वंचित करने जैसा है।



विस्तृत जमीनी जांच का हवाला देकर कांग्रेस नेता रमेश ने चौंकाने वाले आरोप लगाए। रिपोर्ट के अनुसार, कई ग्रामीणों को महीनों से कोई काम नहीं मिला है, जबकि सरकारी दस्तावेजों में उन्हें काम पर लगा हुआ दिखाया गया है। उन्होंने दावा किया कि लोकल राजनेता, जो कथित तौर पर सत्ताधारी दल से जुड़े हैं, मजदूरों की मेहनत की कमाई को हड़प रहे हैं। कांग्रेस नेता रमेश ने केवल भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि मजदूरों की मजदूरी की व्यवस्थित चोरी करार दिया।

शिवा हत्याकांड की मुख्य आरोपी श्रद्धा दुबे नागपुर से गिरफ्तार

- 11 दिन से चल रही थी फरार, बहन रश्मि और ड्राइवर भी पकड़े गए

लखनऊ। लखनऊ के कैफे संचालक शिवा शर्मा की संदिग्ध मौत के मामले में मुख्य आरोपी श्रद्धा दुबे को उत्तर प्रदेश पुलिस ने महाराष्ट्र के नागपुर से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने मंगलवार को एक फ्लैट पर छपा मारकर श्रद्धा के साथ उसकी बहन रश्मि दुबे और ड्राइवर को भी पकड़ा। तीनों पर 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस के मुताबिक, घटना के बाद से फरार श्रद्धा की तलाश में उत्तर प्रदेश पुलिस और स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) जुटी हुई थीं। अब उसे ट्रांजिट रिमांड पर लखनऊ लाने की तैयारी है। पुलिस के अनुसार, श्रद्धा दुबे सड़क मार्ग से आगरा होते हुए नागपुर पहुंची थी। वहां एक परिचित के फ्लैट में उसके ठहरने की व्यवस्था की गई थी। एसटीएफ ने उसकी लोकेशन ट्रैस की और नागपुर पुलिस की मदद से गिरफ्तारी की कार्रवाई की। मंगलवार को टीम ने फ्लैट पर छपा मारकर तीनों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का दावा है कि श्रद्धा अपनी बहन और ड्राइवर के साथ लगातार बुकों पहनकर यात्रा कर रही थी, ताकि पहचान छिपाकर गिरफ्तारी से बच सके। बताया जा रहा है कि वह अग्रिम जमानत लेने की कोशिश भी कर रही थी। हालांकि, इस संबंध में विस्तृत आधिकारिक जानकारी सामने आना बाकी है।

एसटीएफ की मदद से मिली कामयाबी

श्रद्धा की गिरफ्तारी के लिए लखनऊ पुलिस को उत्तर प्रदेश एसटीएफ का सहयोग मिला। मंगलवार को ही एसटीएफ को उसकी तलाश तेज करने के निर्देश दिए गए थे। पुलिस के मुताबिक, मामले की जांच लखनऊ पुलिस ही करेगी। गिरफ्तारी के बाद अब आरोपी से पूछताछ और मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की पड़ताल की जाएगी।



चौथी मंजिल से गिरकर हुई थी शिवा की मौत

लखनऊ के हजरतगंज स्थित अवध ग्रीन अपार्टमेंट में 9 अक्टूबर 2026 को कैफे संचालक शिवा शर्मा की चौथी मंजिल से गिरकर मौत हो गई थी। घटना के बाद शिवा के परिजनों ने इसे हत्या बताया हुए आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की थी। पुलिस के अनुसार, श्रद्धा दुबे करीब 11 दिनों से फरार थीं।

एससीओ में भारत का आह्वान: आतंकवाद के पूरे तंत्र को सामूहिक रूप से समाप्त करें

नई दिल्ली , एंजेसी। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आतंकवाद को शांति और विकास के लिए सबसे गंभीर खतरों में से एक बताकर इसके पूरे तंत्र को सामूहिक रूप से समाप्त करने का सशक्त आह्वान किया है। ताजिकिस्तान की राजधानी दुशान्बे में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की शासनाध्यक्ष परिषद की बैठक को संबोधित करते हुए, उन्होंने स्पष्ट किया कि आतंकवाद को किसी भी परिस्थिति में सही नहीं ठहराया जा सकता, और इससे निपटने में दोहरे मापदंड नहीं दिखा सकते हैं। राजनाथ सिंह ने जोर दिया कि आतंकवादियों को आर्थिक मदद देने, उनका समर्थन करने या उन्हें सुरक्षित ठिकाने उपलब्ध

करने वालों को कोई जगह नहीं होनी चाहिए। रक्षा मंत्री ने कहा कि आतंकवाद न केवल निर्दोषों की जान लेता है, बल्कि निवेश और व्यापार को भी प्रभावित करता है, समाज को कड़वाता की ओर धकेलता है, और युवाओं को अवसरों से वंचित करता है। उन्होंने विश्वके शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संगठन के लिए सुरक्षा, संपर्क और अवसर के तीन स्तंभों के आह्वान को दोहराया। राजनाथ सिंह ने इन स्तंभों को एक-दूसरे का पूरक बताया, जहां सुरक्षा निवेश के अवसर पैदा करती है, संपर्क व्यापार को बढ़ावा देता है और इन दोनों के माध्यम से लोगों के लिए नए अवसर तैयार होते हैं। भारत ने ताशकंद में

सार्वभौमिक केंद्र और दुशान्बे में मादक पदार्थ निरोधी केंद्र को एससीओ की स्थायी संस्थाएं बनाने के फैसले का स्वागत किया, हालांकि उनकी उपयोगिता आपसी तालमेल और कार्य निष्पादन की गति पर निर्भर करेगी। क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए सदस्य देशों के बीच बेहतर समन्वय और प्रभावी कार्रवाई आवश्यक है। आर्थिक सहयोग पर अपने दृष्टिकोण को साझा करते हुए, राजनाथ सिंह ने समावेशी भागीदारी की वकालत की, जिससे प्रत्येक सदस्य देश को लाभ मिले। उन्होंने मजबूत और संकटों का सामना करने में सक्षम आपूर्ति श्रृंखलाएं बनाने, व्यापार व निवेश को आसान बनाने तथा विकास के लिए

प्रौद्योगिकी का उपयोग करने पर जोर दिया। आर्थिक सहयोग का लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंचना चाहिए। साझा समृद्धि के लिए संपर्क व्यवस्था को महत्वपूर्ण बनाते हुए, भारत ऐसी संपर्क परियोजनाओं का समर्थन करता है जो बाजारों को जोड़े, व्यापार को आसान बनाएं और विकास के नए अवसर पैदा करें, जैसे कि अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा और चांबहार बंदरगाह। हालांकि, रक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि सभी संपर्क परियोजनाएं परामर्श और उनमें शामिल प्रत्येक देश की संप्रभुता तथा क्षेत्रीय अखंडता के सम्मान पर आधारित होनी चाहिए, क्योंकि इन सिद्धांतों का सम्मान न करने वाली परियोजनाएं टिकाऊ नहीं हो



सकतीं।

आशुतोष-सौरवकी कस्टडी बढ़नेपर भड़कीं ममता बनर्जी... देश में लोकतंत्र पर हमला, सीजेपी ने ममता को कथ धन्यवाद

नई दिल्ली, एंजेसी। टीएमसी प्रमुख और बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आशुतोष और सौरव की हिरासत बढ़ाए जाने पर सवाल उठाकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। वहीं सीजेपी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर उनके समर्थन के लिए आभार जताया। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कॉंक्रोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेताओं आशुतोष रांका और सौरव दास की कस्टडी बढ़ाए जाने पर नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने पोस्ट कर दोनों की तत्काल रिहाई की मांग की। ममता के बयान पर सीजेपी के आधिकारिक हैंडल से प्रतिक्रिया देकर लिखा, 'मैम, आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।'

पंजाब में अमित शाह ने पीड़ित परिवारों से की मुलाकात

-विक्रमजीत और गुलजार सिंह के परिजनों को न्याय का दिलाया भरोसा

गुरदासपुर, एंजेसी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पंजाब दौरे के दौरान नशाखोरी के खिलाफ गंवाने वाले



विक्रमजीत और गुलजार सिंह के परिवारों से मुलाकात की। शाह करीब 20 दिन के भीतर दूसरी बार पंजाब पहुंचे हैं। अमृतसर के श्री गुरु रामदास जी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से हेलीकॉप्टर के जरिए वे सीधे गुरदासपुर पहुंचे, जहां उन्होंने सीधे परिवारों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनीं और न्याय दिलाने का भरोसा दिया। केंद्रीय मंत्री शाह सबसे पहले विक्रमजीत के घर पहुंचे। विक्रमजीत की 15 अक्टूबर को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। बताया गया कि उन्होंने इलाक़े में नशा बेचने वालों का विरोध किया था, जिसके बाद उनकी हत्या कर दी गई। इसके बाद गृहमंत्री सगंरूर जिले के तूर वंजारा गांव पहुंचे और गुलजार सिंह के परिजनों से मुलाकात की।

गुलजार सिंह ने पंजाब के वित्तमंत्री हरपाल सिंह चौमा की सभा में नशे के मुद्दे पर सवाल उठाया था। इसके बाद उन्हें कथित तौर पर परेशान किया गया। बाद में उन्होंने जहर खा लिया, जिससे उनकी मौत हो गई। शाह ने करीब 10 से 12 मिनट तक उनके परिवार के साथ बातचीत की और घटनाक्रम की जानकारी ली। गुलजार सिंह के बेटे ने गृहमंत्री से अपने पिता की मौत के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा दिलाने की मांग की। उन्होंने कहा कि मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है, लेकिन उनके अनुसार मुख्य आरोपी बताए जा रहे हरपाल सिंह का नाम एफआईआर में शामिल नहीं है। परिवार ने पूरे मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग भी उठाई। परिजनों की मांग पर शाह ने भरोसा दिलाया कि जो भी दोषी पाए जाएंगे, उन्हें सजा दिलाई जाएगी।